CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-358
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

अगर जिंदगी में कुछ पाना हो तो तरीके बदलो इरादे नहीं.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, शनिवार 05 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

ट्रंप ने अपने दोस्तों को भी नहीं बख्शा

एलन मस्क से लेकर जेफ बेजोस तक के डूब गए अरबों डॉलर

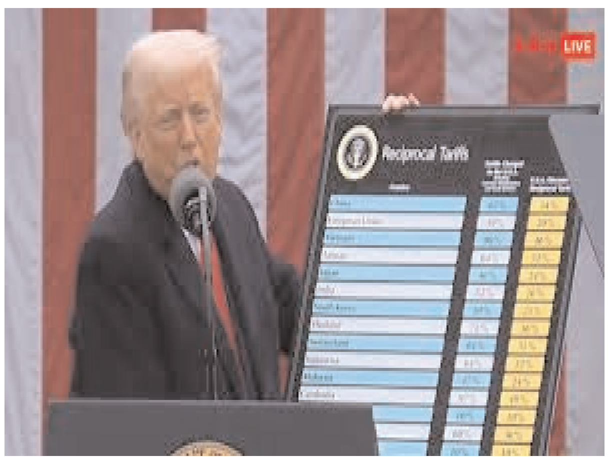

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 180 से अधिक देशों पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ का असर दुनिया के तमाम दौलतमंद लोगों पर भी हुआ है। इनकी संपत्ति में महज एक दिन में 208 अरब डॉलर की गिरावट देखी गई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, यह गिरावट 13 साल के इतिहास में चौथी बार एक दिन में हुई इतनी बड़ी गिरावट है। कोविड-19 महामारी के बाद हुई सबसे बड़ी गिरावट है। ब्लूमबर्ग के वेल्थ इंडेक्स की डेटा के मुताबिक, इसमें सबसे ज्यादा नुकसान मेटा प्लेटफॉर्म इंक के मार्क जुकरबर्ग को हुआ। मेटा के शेयर में 9 परसेंट तक की गिरावट दर्ज की गई। इससे मार्क जुकरबर्ग को 17.9 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ, इसके बाद दूसरे नंबर पर अमेजन के जेफ बेजोस हैं। अमेजन के शेयरों में भी 9 परसेंट की गिरावट आई, जो अप्रैल 2022 के बाद हुई सबसे बड़ी गिरावट है। इससे उनकी संपत्ति को 15.9 बिलियन डॉलर का नुकसान पहुंचा। अब बात करते हैं ट्रंप के खास एलन मस्क की। टेस्ला के सीईओ को इस साल अब तक 110 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। इसमें अभी एक दिन में हुआ 11 बिलियन डॉलर का नुकसान भी शामिल है। कारवाना के सीईओ की संपत्ति में 1.4 बिलियन डॉलर की गिरावट आई, जब कंपनी शेयरों में 20 परसेंट की गिरावट आई। कनाडाई ई-कॉमर्स कंपनी शॉपिफाई के को-फाउंडर और सीईओ टोबी लुटके को 1.5 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। टोरंटो में कंपनी के शेयर में 20 परसेंट तक की गिरावट आई।

'वक्फ बिल' पर भड़के मुस्लिम बंगाल से गुजरात तक प्रदर्शन

जुम्मे की नमाज के बाद 'तानाशाही नहीं चलेगी' और 'काला कानून वापस लो' जैसे नारे लगाए

नई दिल्ली। वक्फ बिल को संसद की मंजूरी मिलते ही आठ राज्यों पश्चिम बंगाल, गुजरात, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और असम के मुसलमान भड़क उठे। उन्होंने सड़क पर उतरकर जमकर विरोध जताया। जुम्मे की नमाज के बाद कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद जैसे शहरों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने वक्फ बिल के खिलाफ नारेबाजी की और सरकार से इसे वापस लेने की अपील की। बंगाल की राजधानी में कई लोगों ने हाथों में बैनर ले रखे थे, जिसमें 'हम वक्फ बिल को खारिज करते हैं' जैसे नारे लिखे गए थे। वक्फ संशोधन विधेयक 2025 बुधवार को लोकसभा और फिर गुरुवार को राज्यसभा में पेश किया गया, जहां लंबी बहस के बाद इसे पारित कर दिया गया।

गुजरात के अहमदाबाद से सामने आए विजुअल्स में मुस्लिम संगठन वक्फ बिल के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए दिखाई दिए। लोगों ने 'तानाशाही नहीं चलेगी' और 'काला कानून वापस लो' जैसे नारे भी लगाए। प्रदर्शन कर रहे शोएब रजा नामक युवक ने कहा कि यह सरकार मंदिरों की जमीन चोरी करती है। राम मंदिर की जमीन को चोरी किया और अब मस्जिदों की जमीन चोरी करने की फिराक में हैं। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कई लोगों को हिरासत में भी लिया।

चेन्नई में भी विरोध प्रदर्शन चेन्नई में भी विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। यहां एक्टर विजय की तमिलगा वेत्री कझगम पार्टी ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की। चेन्नई और कोयंबटूर और तिरुचिरापल्ली जैसे शहरों में टीवीके कार्यकर्ताओं ने इकट्ठे होते हुए 'वक्फ विधेयक को खारिज करो' और 'मुसलमानों के अधिकार मत छीनो' जैसे नारे लगाए। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भी शुक्रवार को मुस्लिम संगठन के लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उनके हाथों में भी वक्फ बिल के खिलाफ लिखे नारे वाली बैनर और पोस्टर थे। रांची में भी हंगामा हो रहा है। लोगों ने कहा कि वक्फ बिल देश के लिए सही नहीं है, मुस्लिमों के लिए सही नहीं है। बिहार में भी बिल के विरोध में लोग सड़कों पर हैं।

उत्तरप्रदेश के सभी 75 जिलों में हाई अलर्ट उत्तरप्रदेश के सभी 75 जिलों में पुलिस हाई अलर्ट पर है। फ्लैग मार्च जारी है। लखनऊ में दरगाहों और मस्जिदों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। यूपी अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अशफाक सैफी को वक्फ संशोधन बिल का समर्थन करने पर जान से मारने की धमकी मिली। उनके बहनोई को पीटा गया।

असदुद्दीन ओवैसी पहुंचे सुप्रीम कोर्ट संसद से पारित हुए वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 के खिलाफ एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। उन्होंने अपनी याचिका में विधेयक की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। संसद में भी ओवैसी ने वक्फ बिल का विरोध किया था और प्रतीकात्मक तौर पर इसकी एक कॉपी भी फाड़ दी थी। ओवैसी की याचिका अधिवक्ता लजफीर अहमद ने दायर की है। वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान संसद में बुधवार को ओवैसी ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ विधेयक के जरिये मुसलमानों के साथ गलत व्यवहार किया जाएगा। ओवैसी ने कहा था कि यह विधेयक मुसलमानों पर हमला है। मोदी सरकार ने मेरी आजादी पर जंग छेड़ दी है। मेरी मस्जिदें, मेरी दरगाहें, मेरे मदरसे निशाने पर हैं।

कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने भी दी बिल को चुनौती बिहार के किशनगंज से कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने भी सुप्रीम कोर्ट में विधेयक की वैधता को चुनौती देते हुए कहा कि यह संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है। मोहम्मद जावेद ने याचिका दायर करते हुए वक्फ बिल को मुस्लिम समुदाय के प्रति भेदभावपूर्ण वाला बताया है। बता दें कि विधेयक को राज्यसभा में 128 सदस्यों ने पक्ष में और 95 ने विरोध में पारित किया। इसे 3 अप्रैल की सुबह लोकसभा में 288 सदस्यों ने समर्थन दिया और 232 ने विरोध किया।

बीजेपी ने लगाया मुस्लिमों को भड़काने का आरोप बीजेपी ने कांग्रेस समेत विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि विपक्ष चाहे तो संसद में पारित वक्फ (संशोधन) विधेयक को अदालत में चुनौती दे सकता है, लेकिन उन्हें इस मुद्दे पर अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को भड़काने और तुष्टीकरण की तुच्छ राजनीति करने से बचना चाहिए। वरिष्ठ बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस के कुछ कानूनी विशेषज्ञ बार-बार कह रहे हैं कि यह (विधेयक) असंवैधानिक है और वे अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। उन्हें अदालत जाने दें। उन्हें कोई नहीं रोक रहा है।

अलविदा... फिल्मों के जरिये देशभक्ति की भावना जगाने वाले मनोज कुमार नहीं रहे

भगत सिंह की मां विद्यावती ने कहा- तू तो बिल्कुल भगत जैसा लगता है...तो फूट-फूटकर रो पड़े थे 'भारत कुमार'

मुंबई। 'पूरब और पश्चिम', 'रोटी, कपड़ा और मकान' और 'क्रांति' जैसी बेहतरीन फिल्में देने वाले दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार का शुक्रवार को 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। 'भारत कुमार' के नाम से मशहूर मनोज कुमार ने अपनी फिल्मों के जरिये देशभक्ति की ऐसी भावना जगाई जो आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। मनोज कुमार की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक 'उपकार' (1967) का जन्म एक खास मुलाकात से हुआ था। 1965 में भारत-पाक युद्ध के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने उनकी फिल्म शहीद देखी। भगत सिंह के जीवन पर बनी इस फिल्म से प्रभावित होकर शास्त्रीजी ने मनोज से अपने लोकप्रिय नारे 'जय जवान जय किसान' पर एक फिल्म बनाने को कहा। मनोज ने इस सुझाव को दिल से लिया और ट्रेन में दिल्ली से मुंबई लौटते वक्त ही 'उपकार' की कहानी लिख डाली। यह फिल्म न सिर्फ सुपरहिट रही, बल्कि इसके गाने 'मेरे देश की धरती' ने देशभक्ति की भावना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

देशभक्ति फिल्में बनाने की वजह मनोज कुमार को 'भारत कुमार' क्यों कहा जाता था इसके पीछे उनकी जिंदगी का एक गहरा सच छिपा है। उनका जन्म 24 जुलाई 1937 को पाकिस्तान के एबटाबाद में हुआ था। 1947 में भारत-पाकिस्तान बंटवारे के दौरान उनका परिवार दिल्ली आया, जहां उन्होंने शरणार्थी शिविरों में कठिन दिन देखे। इस दौरान देश के लिए कुछ करने की भावना उनके मन में घर कर गई। भगत सिंह से गहराई से प्रभावित मनोज ने सिनेमा को माध्यम बनाया और 'शहीद', 'पूरब और पश्चिम', 'क्रांति' जैसी फिल्मों के जरिये देशप्रेम को पर्दे पर उतारा। उनका मानना था कि फिल्में सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का जरिया भी हैं। ऐसे में उन्होंने कई देशभक्ति पर आधारित फिल्में बनाईं और इसी वजह से उनका नाम भी 'भारत कुमार' पड़ गया।

म्यांमार और थाईलैंड के बाद अब नेपाल में 5.0 तीव्रता का भूकंप

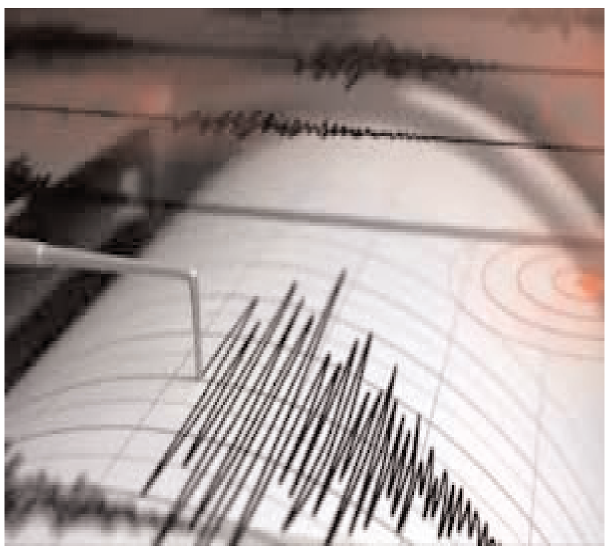

काठमांडू। नेपाल में शुक्रवार को रिक्टर स्केल पर 5.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इस भूकंप के हल्के झटके उत्तर भारत के कई इलाकों में भी महसूस किए गए। भारतीय समयानुसार यह झटका शाम 7 बजकर 52 मिनट पर महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप की गहराई जमीन से 20 किलोमीटर नीचे थी। नेपाल में आए भूकंप की जानकारी देने वाले एनसीएस के ट्वीट पर सोशल मीडिया यूजर्स ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने उत्तरप्रदेश के गोरखपुर में भूकंप महसूस किया। कुछ लोगों ने तो बिहार के पटना में भी भूकंप के झटके महसूस किए जाने की बात कही। बताया जा रहा है कि उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेपाल में आया यह भूकंप ऐसे समय पर आया है जब कुछ ही दिन पहले म्यांमार और थाईलैंड में 7.7 तीव्रता का तेज भूकंप दर्ज किया गया था। इस भूकंप ने वहां कई इलाकों को हिला कर रख दिया।

टैरिफ की आंच से सहमा भारतीय बाजार, सेंसेक्स 931 अंक गिरा

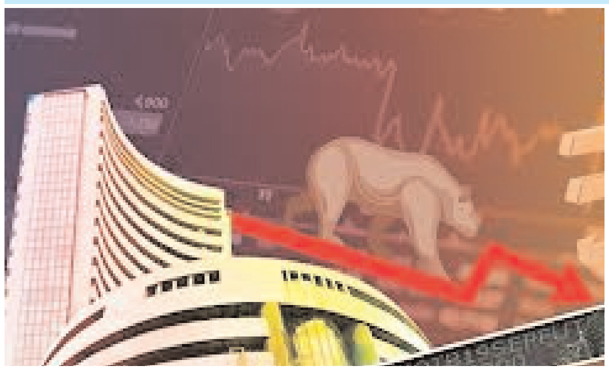

मुंबई। वैश्विक व्यापार युद्ध की बढ़ती आशंकाओं के बीच शुक्रवार को भारतीय शेयर सूचकांक सेंसेक्स 900 अंक से अधिक टूटकर 76,000 के स्तर से नीचे आ गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 930.67 अंक या 1.22 प्रतिशत गिरकर 75,364.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,054.81 अंक या 1.38 प्रतिशत गिरकर 75,240.55 अंक के निचले स्तर पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 345.65 अंक या 1.49 प्रतिशत गिरकर 22,904.45 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान 50 शेयरों वाला बेंचमार्क इंडेक्स 382.2 अंक या 1.64 प्रतिशत गिरकर 22,867.90 पर बंद हुआ। जानकारों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और बाजार में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टूब्रो और इंफोसिस जैसी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से निराशा और बढ़ गई। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में सबसे ज्यादा नुकसान टाटा स्टील को हुआ, जिसमें 8.59 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो, अदाणी पोर्ट्स, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मास्युटिकल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस और एनटीपीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, एशियन पेंट्स और एक्सिस बैंक के शेयरों में लाभ रहा। व्यापक बाजार की बात करें तो बीएसई मिडकैप सूचकांक में 3.08 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में 3.43 प्रतिशत की गिरावट आई। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा कि वैश्विक शेयर बाजार में गिरावट के कारण बाजार में भी गिरावट आई तथा व्यापक बिकवाली के कारण विभिन्न क्षेत्रों में 2-6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

पीएम नरेंद्र मोदी ने बैंकॉक शिखर सम्मेलन में दिया यूपीआई लिंक का प्रस्ताव

नई दिल्ली। पांच दक्षिण एशियाई देशों और दो दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों का संगठन बिम्सटेक के बीच बेहतर कनेक्टिविटी, आर्थिक और डिजिटल संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने 21 सूत्री फार्मूले का सुझाव दिया है। यह सुझाव उन्होंने बिम्सटेक की बैंकॉक शिखर सम्मेलन के दौरान शुक्रवार को दिया। इसमें भारत की तरफ से बिम्सटेक के सभी देशों की डिजिटल भुगतान व्यवस्था को भारत की यूपीआई से जोड़ने का प्रस्ताव भी शामिल है। बिम्सटेक देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने के लिए पीएम मोदी ने वाणिज्यिक चैंबर स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा है। भारत बिम्सटेक को सार्क संगठन के विकल्प के तौर पर स्थापित करने की मंशा रखता है। बांग्लादेश बिम्सटेक का नया अध्यक्ष बना है। भारत और बांग्लादेश के अलावा भूटान, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार और थाईलैंड इसके अन्य सदस्य हैं। इन देशों ने बिम्सटेक 2030 का दृष्टिपत्र तैयार किया है जो इनके बीच संबंधों को दिशा देने का काम करेगा।

मौन-एकांत और ईश्वर की खोज में अनंत अंबानी की 130 किमी की पदयात्रा

जामनगर। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरपर्सन मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी इन दिनों जामनगर से द्वारकाधीश मंदिर तक 130 किलोमीटर की पदयात्रा कर रहे हैं। अनंत हर दिन 6 से 7 घंटे पैदल यात्रा कर रोज करीब 20 किलोमीटर दूरी तय करते हैं। अनंत अंबानी का जन्मदिन 10 अप्रैल को है। यह उम्मीद जताई जा रही है कि वे इससे पहले 8 अप्रैल तक मंदिर पहुंच जाएंगे। यह कोई औपचारिक पदयात्रा नहीं है, बल्कि पूरी तरह से भक्ति का कार्य है- भगवान कृष्ण को शरीर, मन और आत्मा का अर्पण।

अनंत अंबानी का हर कदम द्वारकाधीश की कृपा और सनातन धर्म के आदर्शों के प्रति समर्पित हैं। उनकी पदयात्रा मौन, एकांत और ईश्वर की खोज को लेकर है। इस यात्रा को और भी असाधारण बनाने वाली बात यह है कि अनंत कुशिंग सिंड्रोम से जूझते हुए यह यात्रा कर रहे हैं। इस पदयात्रा की चुनौतियां किसी भी सामान्य स्वास्थ्य वाले शख्स को भी डरा सकती हैं। इसके बावजूद अनंत के लिए यह तीर्थयात्रा ताकत साबित करने के बारे में नहीं है। यह भय से ऊपर आस्था, असुविधा से ऊपर भक्तिऔर सहजता से ऊपर अनुशासन रखने के बारे में है।

धीरेंद्र शास्त्री भी हुए पदयात्रा में शामिल अनंत अंबानी की पदयात्रा में बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी शामिल हुए। उनकी भक्ति और समर्पण से प्रभावित पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने बताया कि अनंत अपनी पदयात्रा के दौरान सिर्फ नारियल पानी पर ही आश्रित हैं। उन्होंने अनंत अंबानी को एक प्रेरणा बताते हुए आज के युवाओं को सनातन धर्म के लिए खुद को समर्पित करने की सलाह दी। बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक अनंत रिफाइनरी और नए ऊर्जा कारोबार सहित आरआईएल के मैन्युफैक्चरिंग डिविजन के प्रमुख हैं।

अब एक बड़े समूह में बदल गई है पदयात्रा ईश्वर की खोज के रूप में शुरू हुई यह यात्रा अब एक बड़े समूह में बदल गई है। अब इस यात्रा में अनंत के साथ उनके मित्र, सहकर्मी, पंडित और आम लोग भी शामिल हो रहे हैं। अनंत अंबानी ने कहा कि मैं आपको धन्यवाद कहने के लिए दर्द से गुजरूंगा। मैं अपना विश्वास दिखाने के लिए असुविधा को सहन करूंगा। मैं झुकूंगा- इसलिए नहीं कि मैं कमजोर हूं, बल्कि इसलिए कि मैंने गर्व के बजाय समर्पण को चुना है। इस पवित्र और गहरे निजी रास्ते के जरिये अनंत अंबानी एक पीढ़ी से बात करते हैं- अपनी भक्ति को अपना मार्गदर्शक बनने दें। इसे आपको विनम्र बनाने दें। इसे आपको बनाने दें और जब जीवन का भार भारी लगे तो अपने विश्वास को आपको आगे ले जाने दें।

इंदौर ने 100 मेगावाट सौर ऊर्जा पैदा कर बनाया रिकॉर्ड

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। स्वच्छता में लगातार शीर्ष स्थान बनाए रखने के बाद, इंदौर ने अब सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में, शहर ने 100 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता अर्जित कर एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। यह उपलब्धि न केवल इंदौर के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह दर्शाती है कि जनभागीदारी से सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाया जा सकता है। महापौर द्वारा शुरू किया गया सोलर मित्र अभियान अब इंदौर के ऊर्जा क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत बन चुका है। इस उपलब्धि के परिणामस्वरूप, शहर

की कुल ऊर्जा खपत का 15 से 20 प्रतिशत हिस्सा अब सौर ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है।

सौर ऊर्जा में जनभागीदारी का अर्थ है कि शहर के नागरिक, समुदाय और निजी क्षेत्र मिलकर इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाएं। चाहे वह सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना हो या इसके उपयोग को प्रोत्साहित करने की पहल, इंदौर के लोगों ने इसे एक जन आंदोलन का रूप दे दिया है। अब नागरिक अपने घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित कर इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना चुके हैं। यह सामूहिक प्रयास ही इस आंदोलन की असली ताकत है, जो शहर को आत्मनिर्भर ऊर्जा स्रोतों की ओर अग्रसर कर रहा है।

सौर मित्र अभियान... युवाओं के लिए नया अवसर

सौर मित्र अभियान, जिसे सूर्य मित्र कौशल विकास कार्यक्रम भी कहा जाता है, एक अनूठी पहल है जो युवाओं को सौर ऊर्जा क्षेत्र में प्रशिक्षित करने का कार्य करती है। यह कार्यक्रम उन्हें ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना, संचालन और रखरखाव में विशेषज्ञता प्रदान करता है। इसके माध्यम से न केवल युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं, बल्कि वे उद्यमिता की दिशा में भी कदम बढ़ा रहे हैं। यह अभियान सौर ऊर्जा क्षेत्र में कुशल जनशक्ति तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सौर ऊर्जा के इस तेजी से बढ़ते उपयोग के चलते इंदौर एक आत्मनिर्भर और पर्यावरण के अनुकूल शहर बनने की ओर अग्रसर है। स्वच्छ ऊर्जा का यह बढ़ता प्रयोग न केवल बिजली की लागत को कम कर रहा है, बल्कि पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को भी घटा रहा है। सरकार और प्रशासन की पहल के साथ-साथ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी इंदौर को ऊर्जा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद कर रही है। इस प्रकार, इंदौर एक बार फिर देश के अन्य शहरों के लिए एक प्रेरणास्रोत बन गया है।

वक्फ बोर्ड की 500 से ज्यादा जमीनों पर सरकार की सख्ती, अवैध कब्जों की जांच तेज

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को लेकर सरकार की सक्रियता बढ़ गई है। इंदौर जिले में लगभग 500 जमीनें वक्फ बोर्ड के नाम दर्ज हैं। इन जमीनों का सही उपयोग हो रहा है या नहीं, इसकी जांच लगभग पूरी हो चुकी है। अधिकांश अधिकारियों और तहसीलदारों ने अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है। जूनी इंदौर तहसील में सबसे अधिक भूमि दर्ज है, जहां 187 जमीनों का रिकॉर्ड मिला है। वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को लेकर हाल ही में एक बिल पास होने के बाद प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। मध्यप्रदेश के तीन जिलों भोपाल, इंदौर और देवास में कुल 108 वक्फ संपत्तियों का निरीक्षण किया गया है।

वक्फ बोर्ड की भूमि पर अतिक्रमण और गड़बड़ियां

विभिन्न तहसीलों में वक्फ बोर्ड की जमीनों की जांच के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। देपालपुर में 136, सांवेर में 105, विचौली हप्सी में 15, महू में 93, हातोद में 38, कनाड़िया में 09, राऊ में 18 और मल्हारगंज में 19 जमीनों की जांच की गई। प्रशासन को कई जगह यह देखने को मिला कि कुछ जमीनें अवैध रूप से नामांतरित की गई हैं, और कई मामलों में निजी भूमि को भी वक्फ बोर्ड के नाम कर दिया गया था। हाल ही में हुए निरीक्षण में यह भी सामने आया कि कुछ मंदिरों की भूमि को भी वक्फ बोर्ड के खाते में शामिल कर दिया गया है, जिसे अब सुधारा जाएगा।

भोपाल, इंदौर और देवास जिलों की 108 संपत्तियों की जांच पूरी वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार अब अधिक सतर्क हो गई है। केंद्र सरकार देशभर में अधिकारियों को नियुक्त कर रही है, जो इन संपत्तियों की स्थिति की पुष्टि करेंगे। भोपाल, इंदौर और देवास जिलों की 108 संपत्तियों की जांच पूरी हो चुकी है। वक्फ संपदा से जुड़े मामलों पर नजर रखने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली का तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी मध्यप्रदेश के दौरे पर रहा। इस टीम ने 9 मार्च को वक्फ संपदा एवं संपत्तियों के सर्वेक्षण और ऑनलाइन सत्यापन प्रक्रिया का अवलोकन किया था। अवैध खरीद-फरोख्त और नामांतरण की जांच होगी तेज लंबे समय से वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर अनियमितताओं और अवैध खरीद-फरोख्त की खबरें सामने आती रही हैं। कई मामलों में वक्फ बोर्ड के अधिकारियों द्वारा बिना उचित प्रक्रिया के जमीनों का नामांतरण किया गया था। सरकारी रिकॉर्ड में कई जगह यह पाया गया कि निजी भूमि को भी वक्फ बोर्ड के नाम पर दर्ज कर दिया गया था। अब प्रशासन इन सभी गड़बड़ियों की समीक्षा कर रहा है, ताकि जिले में सही आंकड़ा सामने आ सके। तहसीलदार और पटवारी इन संपत्तियों की जांच में जुटे हैं और सरकार जल्द ही इन पर बड़ा फैसला ले सकती है।

हंगामे की भेंट चढ़ा इंदौर नगर निगम बजट सम्मेलन

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर नगर निगम का बजट पेश होने के बाद उस पर बहस के लिए शुक्रवार को हुआ सम्मेलन हंगामे और शोरगुल की भेंट चढ़ गया। कांग्रेस पार्षदों ने बेलेश्वर बावड़ी हादसे में आरोपियों के बरी होने पर निगम परिषद को घेरा। कांग्रेस पार्षदों ने कहा कि इंदौर के सबसे बड़े हादसे में 36 लोगों की जान गई। उसमें अफसरों को बचाने के लिए केस जानबूझकर कमजोर किया गया। आरोपी भी इस केस में बरी हो गए। इस मुद्दे पर देर तक पार्षदों ने हंगामा किया।कुछ देर बाद नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने बजट पर बहस शुरू की। उन्होंने कहा कि निगम परिषद कई मुद्दों पर विफल हुई है। श्वानों की संख्या रोकने और शहर को भिक्षुक मुक्त करने की जिम्मेदारी नगर निगम की है, लेकिन वह प्रशासन चला रहा है। निगम की दूरदृष्टी सोच नहीं बची। लोक परिवहन को बढ़ावा देने के बजाय बीआरटीएस को तोड़ने का फैसला लिया गया।

पार्षद दल के सचेतक कमल वाघेला में कहा कि शहर की नदियों के किनारों से अतिक्रमण हटना चाहिए। उन्होंने एमआर चार सड़क निर्माण को भी जल्दी पूरा करने की बात कही। राजस्व समिति प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने कहा कि जीआईएस सर्वे से टैक्स का आंकलन किया जा रहा है। जल्दी ही हमारा पोर्टल भी तैयार हो जाएगा। जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने कहा कि इंदौर में दस से ज्यादा स्थानों पर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा निगम संजीवनी क्लिनिक भी खोल रहा है।

नगर निगम में पार्षदों ने पढ़ी नमाज कांग्रेस की महिला पार्षद ने स्वीकार किया कि वक्फ की जमीनों पर मुस्लिमों ने ही कब्जा कर रखा है। लंच के बाद मुस्लिम महिला पार्षदों ने नगर निगम परिसर में ही नमाज पढ़ी। ऐसा नगर निगम में पहली बार हुआ है। बहस के दौरान कांग्रेस पार्षद रुबीना खान ने कहा कि आप हमारे हर मामलों में क्यों घुस जाते हो? कभी तीन तलाक, कभी वक्फ की जमीन। इस पर भाजपा पार्षदों ने जमकर हंगामा किया और कहा यह आपका नहीं जनता से जुड़ा मामला है। इसके बाद औरंगजेब का नाम लेकर हंगामा हुआ तो रुबीना खान ने कहा कि मैंने औरंगजेब की तारीफ में नाम नहीं लिया। फिर भाजपा पार्षदों में जय श्री राम, जय छत्रपति शिवाजी, जय संभाजी के नारे लगाए। कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम ने कहा कि आपने सुना होगा दो गुजराती देश बेच रहे हैं, दो खरीद रहे हैं। करबला की जमीन हमें होलकर महाराज ने दी थी। इस पर भाजपा ने कहा कि वहां ताजिए ठंडे करने के लिए दी थी, कब्जा करने के लिए नहीं। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। बैठक में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे, एमआईसी सदस्यों सहित सभी पार्षद मौजूद हैं। नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि नगर निगम को 1997 में कांग्रेस ने सशक्त बनाया।

अव्यवस्थित खान-पान और फास्टफूड के कारण बीमार हैं इंदौरी

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए गए निरोगी काया अभियान के तहत कुछ चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। इस अभियान में 5 लाख 90 हजार से अधिक इंदौरियों की जांच की गई, जिसमें 62 हजार से अधिक लोग ब्लड प्रेशर और 45 हजार से अधिक लोग मधुमेह से पीड़ित पाए गए। इसके अलावा, 17,156 लोगों को दोनों ही बीमारियां यानी उच्च रक्तचाप और शुगर एक साथ पाई गईं। इन आंकड़ों से यह साफ होता है कि इंदौर में लोग अव्यवस्थित खान-पान और फास्टफूड के कारण स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इंदौर जैसे खाने-पीने के शौकीन शहर में अब स्वास्थ्य समस्याएं भी तेजी से बढ़ने लगी हैं। तला-भुना और फास्टफूड खाने के कारण युवाओं में ब्लड प्रेशर और शुगर जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। निरोगी काया अभियान के आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि 10 प्रतिशत से अधिक लोग उच्च रक्तचाप, मधुमेह और जीवनशैली से जुड़ी अन्य बीमारियों से पीड़ित हैं। यह चौंकाने वाली बात है कि इन बीमारियों से प्रभावित कई लोग अब भी इससे अनजान हैं और समय रहते उपचार नहीं करा रहे हैं।

निरोगी काया शिविर और जांच अभियान स्वास्थ्य विभाग द्वारा केंद्र सरकार की पहल पर चलाए गए इस निरोगी काया अभियान के तहत जिला अस्पताल और संजीवनी क्लिनिकों पर जांच शिविर लगाए गए। इन शिविरों में यह पाया गया कि अनियमित खानपान और इंदौरियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी के कारण युवाओं में नॉन-एल्कोहोलिक फेटी लिवर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 21 प्रतिशत लोगों में इस बीमारी के लक्षण पाए गए। 26,727 व्यक्तियों की जांच में लगभग 10 प्रतिशत लोग इस समस्या से पीड़ित थे, लेकिन उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी।

अन्य गंभीर बीमारियों की पहचान

निरोगी काया अभियान में मुंह के कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के भी मामले सामने आए हैं। अभियान के दौरान 35 हजार लोग ओरल कैंसर और 10,768 लोग सवाईकल कैंसर से पीड़ित पाए गए। इनमें से 1500 से अधिक मरीजों को अन्य गंभीर जांचों के लिए भेजा गया। यह आंकड़े इस बात की ओर इशारा करते हैं कि इंदौर में स्वास्थ्य जागरूकता की कमी के कारण गंभीर बीमारियां बढ़ रही हैं और समय रहते उनका इलाज न करने से ये बीमारियां खतरनाक रूप ले सकती हैं।

जल संसाधन मंत्री सिलावट ने पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पेयजल व्यवस्था हर हाल में सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे किसी भी नागरिक को पेयजल की समस्या ना हो और इधर-उधर भटकना नहीं पड़े। मंत्री सिलावट ने शुक्रवार को रेसीडेंसी में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर सांवेर विधानसभा क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की। मंत्री सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पेयजल व्यवस्था की सतत निगरानी रखी जाए। पेयजल संबंधी आम नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए।

सिलावट ने बैठक में कहा कि नर्मदा जल प्रदाय योजना और प्रधानमंत्री नल जल योजना का प्रभावी क्रियान्वयन हो। जहां यह योजनाएं नहीं हैं, वहां जल प्रदाय पर विशेष ध्यान दिया जाए। जरूरत होने पर टैंकरों के माध्यम से पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराएं। जरूरत होने पर नए बोरिंग भी कराए जाएं। टंकियों की व्यवस्था की जाए। गौशालाओं सहित अन्य स्थानों पर पशुओं के पेयजल के लिए भी विशेष प्रबंध किए जाएं। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सांवेर के जोन क्रमांक 17 के वार्ड

क्रमांक 18 एवं 19 के अंतर्गत आने वाले नर्मदा जल प्रदाय विहीन क्षेत्र भंवरासला, रेवती, बरदारी एवं कुमेड़ी में पेयजल की समस्या के निराकरण हेतु 20 हजार लीटर क्षमता की टंकी में स्टैंड की व्यवस्था की जाए। प्रत्येक गांव में प्रतिदिन टैंकरों के माध्यम से पेयजल प्रदाय करें। जोन क्रमांक 22 के वार्ड क्रमांक 35 के अंतर्गत आने वाले नर्मदा विहीन क्षेत्र केलोद हाला, फोनिक्स टाउनशिप, लसूडिया मोरी, बजरंग नगर कांकड़, टूटी बिल्डिंग, मोटी बाई वाला कांकड़, शक्करखेड़ी, भानगढ़, बजरंग नगर तोड़ा, स्वामी विवेकानंद नगर, सिंगापुर कॉलोनी, पंचवटी एवं कैलाश कुटी में पेयजल संकट को दृष्टिगत रखते हुए 10 नलकूप खनन करें एवं टैंकर से पेयजल प्रदाय करें।

ग्रामीण क्षेत्र में भी हो पर्याप्त पेयजल व्यवस्था

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट द्वारा बैठक में कहा गया कि सांवेर विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों के सम्पूर्ण मजरे-टोले, स्कूलों, आंगनवाड़ी, पंचायत भवनों, सामुदायिक भवनों, स्वास्थ्य केंद्रों पर जल की नियमित आपूर्ति और अनुसूचित जाति-जनजाति बहुल क्षेत्रों में पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाये, साथ ही नवीन हैंडपंप के प्लेटफार्म एवं पुराने की मरम्मत की जाए। मंत्री जी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में बोरिंग बंद हैं, उन्हें जल्द सुधारे एवं जिस बोरिंग की मोटर खराब है, उन्हें दुरुस्त किए जाए। गौशालाओं में पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था की जाए। मांगलिया गाँव में पेयजल व्यवस्था के लिए नई कार्ययोजना बनाकर तुरंत पेयजल मुहैया करायें। नल-जल योजना अन्तर्गत समस्त पेयजल टंकियों से पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये।

इंदौर से गोवा के लिए दूसरी सीधी फ्लाइट 15 से होगी शुरू

इंदौर। इंदौर-गोवा के बीच नई फ्लाइट 15 अप्रैल से शुरू होगी। इस फ्लाइट का संचालन एयर इंडिया एक्सप्रेस करेगी। यह फ्लाइट शुरू होने के बाद इंदौर से गोवा के लिए दो सीधी फ्लाइट हो जाएंगी। फिलहाल इंडिगो एयरलाइंस गोवा के लिए फ्लाइट संचालित कर रही है। मौजूदा फ्लाइट इंदौर से प्रतिदिन दोपहर 12ः30 बजे रवाना होती है। एयर इंडिया एक्सप्रेस की नई फ्लाइट सुबह गोवा से इंदौर आकर दोपहर 12ः20 इंदौर से गोवा के लिए रवाना होगी। ऐसे में 10 मिनट के अंतराल में इंदौर एयरपोर्ट से दो फ्लाइट गोवा के लिए उड़ान भरेंगी। वहीं, इंदौर से अब हर दिन आने-जाने में 90 से ज्यादा फ्लाइट हो गई हैं। ट्रैवल एजेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रदेश (टाफी) अध्यक्ष टीके जोस ने बताया कि इंदौर से गोवा के लिए 12 महीने यात्री जाते हैं। पहले मानसून सीजन में लोग गोवा जाना पसंद नहीं करते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं रह गया है। सीजन के समय तो कई बार एक ओर का किराया 20 हजार तक पहुंच जाता है।

कोविड के पहले एयर एशिया भी इंदौर से गोवा के लिए फ्लाइट का संचालन करती थी, लेकिन बाद में यह उड़ान बंद हो गई और एयर एशिया ने इंदौर से संचालन ही बंद कर दिया। बता दें कि एयर इंडिया एक्सप्रेस गोवा के लिए जो उड़ान शुरू करेगी, उसका संचालन नार्थ गोवा के मनोहर पर्रिकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से होगा। अभी इंडिगो इंदौर से गोवा के बीच में एक डेली उड़ान का संचालन करती है। यह उड़ान साउथ गोवा के डेंबोलिंब एयरपोर्ट के लिए संचालित होती है।

इंदौर-गोवा फ्लाइट की बुकिंग कंपनी ने तीन कैटेगरी में शुरू की है। पहली कैटेगरी एक्सप्रेस लाइट है, जिसका किराया 4 हजार 376 रुपए है। वहीं दूसरी कैटेगरी एक्सप्रेस वैल्यू है जिसका किराया 4 हजार 902 रुपए है।

युवती से विवाद के बाद छात्र ने खाया जहर

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के एमआईजी थाना क्षेत्र के संजय नगर में 18 वर्षीय छात्र ने गुरुवार शाम को जहर खाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के अनुसार, तीन दिन पहले एक युवती से विवाद के बाद वह मानसिक तनाव में था। हालांकि, उसने इस बारे में अपने परिवार से कुछ नहीं कहा था। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान रूद्र पुत्र जीवाजी राव के रूप में हुई है। रूद्र कनकेश्वरी कॉलेज में प्रथम वर्ष का छात्र था। गुरुवार शाम को रूद्र ने गली के पास स्थित एक दुकान से जहर खरीदा और उसे सेवन कर लिया। उसकी तबीयत बिगड़ी तो दोस्तों ने उसके पिता को सूचना दी, और उसे तुरंत एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

रूद्र के पिता जीवाजी राव ने बताया कि वह उनका इकलौता बेटा था। गुरुवार को रूद्र ने उन्हें फोन कर पूछा था कि वे कितनी देर में घर लौटेंगे। पिता ने कुछ ही देर में घर पहुंचने की बात कही। रूद्र ने बताया कि वह गली के कॉर्नर पर खड़ा था। करीब 10 मिनट बाद ही जहर खाने की सूचना मिली। रूद्र के परिवार का कहना है कि एमआर-10 क्षेत्र में रहने वाली एक युवती से रूद्र का तीन दिन पहले विवाद हुआ था। यह जानकारी रूद्र ने अपनी बहन को दी थी, जिसने घटना के बाद परिवार को बताया।

मानसिक तनाव में था रूद्र

परिजनों का मानना है कि युवती से रू द्रकी आखिरी बार बातचीत उसके मोबाइल पर हुई थी। रूद्र के परिवार ने बताया कि हाल ही में उन्होंने उसे नया आईफोन दिलवाया था, जिस पर लॉक लगा हुआ था। यह फोन घटना के बाद पुलिस को सौंप दिया गया है। हालांकि, रूद्र ने अपने परिवार से इस मामले पर कोई चर्चा नहीं की थी, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह मानसिक रूप से परेशान था। परिवार को लगता है कि इस विवाद ने रूद्र को गहरे मानसिक तनाव में डाल दिया था, जिससे उसने यह खौफनाक कदम उठाया। रूद्र के पिता, जो नगर निगम में कार्यरत हैं, उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि जहर सेवन के कारणों और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों की छानबीन की जा रही है। इस घटना ने परिवार को गहरे आघात में डाला है, और अब पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मानसिक तनाव के कारण रूद्र ने यह कदम क्यों उठाया।

अब सीधे सीईआईआर पोर्टल पर कर सकते हैं शिकायत, रेलवे सुरक्षा बल-दूरसंचार विभाग के बीच करार

रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी! अब गुम हुआ मोबाइल जल्द मिलेगा वापस

सिटी चीफ भोपाल।
रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दूरसंचार विभाग के साथ मिलकर एक बड़ी पहल की है, जिसके तहत अब गुम हुए मोबाइल फोन की खोज और बरामदगी के लिए केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग किया जाएगा। इस कदम से लाखों यात्रियों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

ऐसे करें शिकायत दर्ज
यदि कोई यात्री ट्रेन यात्रा के दौरान अपना मोबाइल खो देता है, तो वह रेल मदद ऐप या 139 हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से इसकी रिपोर्ट कर सकता है। यदि प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज नहीं करानी हो,

तो यात्री सीईआईआर पोर्टल पर भी सीधे शिकायत दर्ज कर सकता है। सीईआईआर पर शिकायत दर्ज करने के बाद, आरपीएफ की क्षेत्रीय साइबर सेल डिवाइस की जानकारी पोर्टल पर अपडेट कर उसे ब्लॉक कर देगी। यदि फोन में नई सिम का उपयोग किया गया हो, तो उसे ट्रैक कर वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

मोबाइल मिलने पर क्या करना होगा?
जब खोया हुआ मोबाइल मिल जाता है, तो उपयोगकर्ता को नजदीकी आरपीएफ पोस्ट पर फोन जमा कराने के लिए कहा जाएगा। असली मालिक आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर अपना फोन प्राप्त कर सकता है। रिकवरी के बाद, शिकायतकर्ता सीईआईआर पोर्टल पर फोन को अनब्लॉक करने का अनुरोध भी कर सकता है।

एक साल में आरपीएफ ने 1.15 लाख यात्रियों को लौटाया सामान
आरपीएफ पहले से ही ऑपरेशन अमानत के तहत यात्रियों की खोई संपत्ति की बरामदगी में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। जनवरी 2024 से फरवरी 2025 के बीच आरपीएफ ने 84.03 करोड़ रुपए मूल्य की वस्तुएं रिकवर कर 1.15 लाख से अधिक यात्रियों को लौटाई हैं। सीईआईआर पोर्टल को शामिल किए जाने से अब मोबाइल फोन की रिकवरी प्रक्रिया और अधिक तेज व प्रभावी हो सकेगी।

आरोपी सुषमा रानी शुक्ला की संविदा सेवा समाप्त करने की मांग

आजीविका मिशन में फर्जी भर्ती मामला

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्यप्रदेश आजीविका मिशन के राज्य कार्यालय में संविदा पर कार्यरत राज्य परियोजना प्रबंधक सुषमा रानी शुक्ला की संविदा सेवा तत्काल समाप्त करने की मांग की गई है। पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में लिखा कि आर्थिक अपराध ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज एफआईआर और तीन आईएएस अधिकारियों की जांच में दोषी पाए जाने के बावजूद अब तक सुषमा रानी शुक्ला की सेवा समाप्त न किए जाने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। सुषमा रानी शुक्ला की फर्जी भर्ती के मामले में वर्ष 2022 में आईएएस अधिकारी नेहा मारव्या द्वारा जांच की गई थी, जिसमें वह दोषी पाई गई थीं। इसके बाद तत्कालीन अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव द्वारा विकास

आयुक्त कार्यालय से कराई गई जांच में भी उन पर दोष सिद्ध हुआ। हाल ही में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने भी इस मामले की जांच कर उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।

संविदा नियमों के अनुसार कार्रवाई की मांग
मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश दिनांक 5 जून 2018 के तहत भ्रष्टाचार एवं अनियमितता में दोषी संविदा कर्मचारियों की सेवा समाप्त करने का प्रावधान है। राज्य में 100 से अधिक संविदा अधिकारियों और कर्मचारियों को इस नियम के तहत सेवा से हटाया भी जा चुका है। बावजूद इसके, तीन आईएएस अधिकारियों की जांच और ईओडब्ल्यू की एफआईआर के बावजूद सुषमा रानी शुक्ला की सेवा जारी रहने को लेकर विभाग की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

विभाग पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप
इस मामले में दीपक जोशी ने कहा कि शासन के स्पष्ट निर्देशों के बाद भी दोषी कर्मचारी पर कार्रवाई नहीं की जा रही है, तो यह भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को बढ़ावा देने जैसा होगा। अतः पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से सुषमा रानी शुक्ला की संविदा सेवा तत्काल समाप्त करने की मांग की गई है।

मुख्यमंत्री ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा में दिए निर्देश

समय पर घोषित हों 10वीं और 12वीं परीक्षा के रिजल्ट, सीएम ने दिए निर्देश

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के वार्षिक परिणाम समय पर घोषित हों। सभी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए बिजली, पंखा, स्वच्छ व शीतल पेयजल और छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था की जाए। कोई भी शाला जर्जर हालत में न रहे। ऐसा माहौल बनाएं कि बच्चे खुशी-खुशी शिक्षा पाने स्कूल पहुंचे। कन्या छात्रावास में महिला अधिकारी की नियुक्ति, स्कूलों में मध्याह्न भोजन का प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए दिए। इस दौरान बताया गया कि बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम मई के प्रथम सप्ताह में ही घोषित करने की तैयारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर बच्चे की शिक्षा, चिकित्सा और पोषण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

तीन हजार करोड़ रुपये बढ़ाकर दिया बजट
स्कूली शिक्षा को बेहतरीन के लिए इस वर्ष तीन हजार करोड़ रुपये बढ़ाकर बजट दिया है, इसलिए कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पूरी तरह पालन करें। अन्य राज्यों में लागू नई शिक्षा नीति के माडल का अध्ययन कर कार्ययोजना तैयार की जाए। प्राइमरी स्कूल स्तर से ही बच्चों को आदर्श पारिवारिक मूल्यों की नैतिक शिक्षा देने पर विशेष जोर दिया जाए। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विद्या भारती, गायत्री परिवार और आर्ट ऑफ लिविंग जैसी संस्थाओं को प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों से जोड़ा जाए। साथ ही शिक्षा से जुड़े सभी विभागों की समिति बनाकर शैक्षिक सुधार की कार्ययोजना तैयार की जाए।

ओपन बोर्ड के नवाचारों की जानकारी दी
जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत कार्य में स्थानीय पूर्व सांसद और पूर्व विधायक, समाजसेवी संस्थाओं, पूर्व छात्रों एवं सीएसआर फंड से भी सहयोग लिया जाए। उन्होंने विधानसभावार जर्जर स्कूल भवनों की जानकारी एकत्रित करने के निर्देश दिए ताकि विधायक निधि से भी सहयोग लेकर अधोसंरचना विकास के काम कराए जा सकें। इसके पहले राज्य ओपन बोर्ड द्वारा किए जा रहे नवाचारों के बारे में बैठक में जानकारी दी गई।

देश में आदर्श बनकर सामने आएं सांदीपनि स्कूल
मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूलों में भोजन की उपलब्धता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले स्कूलों को अपग्रेड किया जाए। सांदीपनि स्कूल देश में ऐसा आदर्श माडल बनकर सामने आने चाहिए, जहां पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को खेलकूद, कला-संस्कृति एवं छात्रों के समग्र विकास का प्रशिक्षण दिया जाए। इन स्कूलों के लिए बस संचालन में सभी नियमों का पालन हो और ड्राइवर-कंडक्टर के व्यवहार पर विशेष निगरानी रखी जाए।

तबादलों में पारदर्शिता रहे
मुख्यमंत्री ने शिक्षकों की भर्ती और अतिशेष शिक्षकों की नियुक्ति की जानकारी ली और कहा कि तबादला प्रक्रिया में पारदर्शिता रहे। इसमें लापरवाही करने वाले जिला शिक्षा अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उज्जैन में शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक का रिक्त पद शीघ्र भरा जाए।

बच्चों के प्रवेश घटने का कारण नर्सरी का नहीं होना
बैठक में बताया गया कि प्रदेश में एक अप्रैल से स्कूल खुल चुके हैं और एडमिशन पोर्टल पर अब तक 15 लाख से अधिक विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ है। मुख्यमंत्री ने पहली कक्षा में बच्चों के प्रवेश घटने का कारण पूछा तो स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बताया कि नर्सरी में प्राइवेट स्कूलों में प्रवेश हो जाता है। सरकारी स्कूलों में नर्सरी कक्षा भी शुरू करने की आवश्यकता है, क्योंकि एक बार कोई बच्चा प्राइवेट नर्सरी स्कूल में दाखिला ले लेता है, तो फिर उसका शासकीय स्कूल में लौटना मुश्किल हो जाता है। मुख्यमंत्री राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत प्राइमरी एजुकेशन को शीघ्र लागू करने का निर्देश दिए।

दो बार होगी परीक्षा
बोर्ड परीक्षाओं के प्रबंधन को लेकर अधिकारियों ने बैठक में बताया कि 266 संवेदनशील केंद्रों पर जैमर लगाकर मोबाइल के माध्यम से नकेल कसी गई। नकल और पेपर लीक जैसी घटनाएं रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों पर पहले से ज्यादा सतर्कता बरती गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत साल में दो बार परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिससे असफल होने वाले विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देने का मौका मिलेगा और उनके रिजल्ट में सुधार आएगा, साल भी खराब होने से बचेगा। वर्ष के अंत में विद्यार्थियों को अंतिम परीक्षा की अंकसूची मिलेगी।

एमपी में 40 डिग्री पहुंचा पारा, अगले 5 दिन बढ़ेगी गर्मी, पारे में 5 डिग्री तक बढ़ोतरी का अनुमान

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार परिवर्तन देखने को मिल रहा है। जहां पिछले तीन दिनों से कई जिलों में बारिश और ओले के साथ तेज हवा चल रही है वहीं, अब धीरे-धीरे मौसम में परिवर्तन देखने को मिलेगा। शुक्रवार को प्रदेश का अधिकतम तापमान 40 डिग्री पहुंच गया। प्रदेश में सबसे गर्म नर्मदापुरम और रतलाम रहे यहां का अधिकतम तापमान 40 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि अभी तक वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के असर से प्रदेश का मौसम बदला हुआ था। अब इसका असर कम होगा। प्रदेश में अगले 5 दिन तक तेज गर्मी पड़ेगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में पारा 2 से 5 डिग्री तक बढ़ेगा, जबकि जबलपुर, चंबल, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल, सागर संभाग में भी गर्मी बढ़ेगी।

अप्रैल में 7 से 10 दिन चल सकती है लू
मध्यप्रदेश में अप्रैल महीने में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिलेगा। पहले और दूसरे सप्ताह में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, दूसरे सप्ताह से लू भी चलेगी। सबसे गर्म आखिरी सप्ताह रहेगा। दिन का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पार हो सकता है। मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि इस बार तापमान के सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। वहीं, प्रदेश में अप्रैल महीने में 7 से 10 दिन तक हीट वेव यानी लू का असर देखने को मिल सकता है।

जुए के अड्डे पर जा रहे 2 लिस्टेड गुंडे हथियारों के साथ पकड़ाए

भोपाल। टीला जमालपुरा थाना पुलिस ने गुरुवार रात चैकिंग के दौरान छोला थाना क्षेत्र के दो लिस्टेड बदमाशों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से दो छुरियां बरामद की गईं। पूछताछ में उन्होंने खुलासा किया कि वे हरी मजार इलाके में चल रहे एक जुआघर में जुआ खेलने जा रहे थे। टीआई डीपी सिंह ने बताया कि हरी मजार बस्ती के पास लगातार संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इसी के चलते वसुंधरा कॉलोनी में नाका लगाकर रात में चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान बाइक पर सवार दो संदिग्धों को रोका गया। उन्होंने अपनी पहचान नरेंद्र साहू (30) और अमित पाल (32) के रूप में दी, जो छोला क्षेत्र के रहने वाले हैं। तलाशी लेने पर दोनों के पास से छुरी बरामद हुई। थाने लाकर जब उनका आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला गया तो पता चला कि नरेंद्र पर छोला, गौतम नगर और हनुमानगंज थानों में कुल 13 गंभीर अपराध दर्ज हैं। वहीं अमित पर भी पूर्व में कई मामले दर्ज हैं। पुलिस पूछताछ में दोनों ने बताया कि हरी मजार के पास स्थित एक घर में जुआ चलता है। वे वहीं जुआ खेलने जा रहे थे। उन्होंने कहा कि अक्सर जुए के दौरान विवाद हो जाते हैं, इसलिए वे सुरक्षा के लिए हथियार लेकर चलते हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट समेत संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

डीएसपी की पोस्टिंग का अधिकार एसपी को नहीं मिलेगा, सरकार प्रस्ताव से असहमत

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश के जिलों में पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) की पोस्टिंग का अधिकार नहीं मिलेगा। पुलिस मुख्यालय द्वारा भेजे गए इस संबंध में प्रस्ताव को सरकार ने वापस लौटा दिया है। बता दें पीएचक्यू ने गृह विभाग को एसपी को जिले में डीएसपी और एसडीओपी के ट्रांसफर और पोस्टिंग का अधिकार देने का प्रस्ताव भेजा था। इस प्रस्ताव में एसपी को कलेक्टरों के समान अधिकार देने की बात कही गई थी। कलेक्टरों को जिले में

एसडीएम की पोस्टिंग तय करने का अधिकार होता है। उसी तर्ज पर एसपी को भी अपने अनुसार अधिकारियों की पोस्टिंग का अधिकार देने की मांग प्रस्ताव में की गई थी, ताकि वे अपनी टीम खुद तय कर सकें और अपराध नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

सरकार प्रस्ताव से सहमत नहीं
जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार प्रस्ताव पर अब तक कोई निर्णय नहीं ले पा रही है। इस निर्णय से राजनीतिक हस्तक्षेप को बढ़ावा मिलेगा। इस तर्क के साथ सरकार अब प्रस्ताव पर अपनी सहमति नहीं है। सरकार का मानना है कि अभी पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर एवं पोस्टिंग की प्रक्रिया पूर्ववत सरकारी स्तर पर ही जारी रहनी चाहिए। हालांकि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि अभी यह प्रस्ताव विचाराधीन है।

अधिकारियों में सामने आए मतभेद
इस प्रस्ताव को लेकर राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के बीच मतभेद सामने आए थे। इसको लेकर सोशल मीडिया पर अधिकारियों ने अपना पक्ष रखते हुए इसका विरोध किया था। इसमें अधिकतर अधिकारियों ने राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ने का तर्क दिया था।

सम्पादकीय

यूपी और महाराष्ट्र में बुलडोजर की नाइंसाफी चिंताजनक

यह विडंबना है कि नागपुर मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बैंच ने आरोपियों की संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाई थी, लेकिन जब तक आदेश पहुंचा तब तक स्थानीय प्रशासन कार्रवाई कर चुका था। वैसे हकीकत यह भी है कि कोई अवैध निर्माण रातोंरात खड़ा नहीं हो जाता। जब उसका निर्माण होता है तो स्थानीय प्रशासन की नजर उस पर क्यों नहीं जाती। एकाएक ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो जाती है कि उसे गिराने की तत्काल जरूरत पड़ती है। फिर तुरत-फुरत बुलडोजर चल जाता है। सवाल यह भी कि हर छोटे-बड़े, धनाढ्य वर्ग, प्रभावशाली नेताओं के अवैध निर्माण पर पीला पंजा क्यों नहीं चलता? निस्संदेह, बुलडोजर की गति राजाश्रय के संरक्षण में ही तेज होती है।

हैरत की बात है कि देश की शीर्ष अदालत के बार-बार कहने के बावजूद, महाराष्ट्र से लेकर यूपी तक बुलडोजर के जरिये कथित इंसाफ की कोशिश जारी है, जबकि कानून इसकी इजाजत नहीं देता। यह पहली बार नहीं है कि देश की शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई न्याय के नैसर्गिक नियमों का उल्लंघन है। लेकिन ऐसी बलपूर्वक की गई कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद पिछले दिनों उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र में बुलडोजर की नाइंसाफी नजर आई। कोर्ट का कहना था कि यह बुलडोजरी अन्याय केवल झुग्गियों व मकानों को ही नहीं गिरा रहा है, बल्कि यह कानून की उचित प्रक्रिया व अनुच्छेद 21 का भी अतिक्रमण है। जो हर नागरिक के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा की गारंटी देता है। शीर्ष अदालत ने प्रयागराज में घरों को गिराए जाने को अमानवीय और अवैध बताते हुए शहरी विकास प्राधिकरण को प्रत्येक पीड़ित घर के मालिक को दस लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने उत्तरप्रदेश के अंबेडकर नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान घटी उस घटना को तंत्र की संवेदनहीनता बताया जिसमें बुलडोजर द्वारा झोपड़ी गिराए जाने पर एक बालिका अपनी किताबें पकड़कर भाग रही थी। अदालत का कहना था कि तसवीर देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है। साथ ही अधिकारियों की मनमानी और असंवेदशीलता को उजागर करती है। कहा गया कि अतिक्रमणकारियों को खुद की स्थिति को स्पष्ट करने का उचित अवसर दिए बिना बुलडोजर से उनके मकान या झोपड़ियों को ध्वस्त करना अन्याय जैसा ही है। इससे निष्कर्ष निकलता है कि प्रशासन का इरादा अनधिकृत निर्माण को हतोत्साहित करने के बजाय उन्हें सबक सिखाना लगता है। दरअसल, उत्तरप्रदेश में शासन-प्रशासन कथित 'तत्काल न्याय' के बुलडोजर मॉडल को लागू करने में सबसे आगे रहा है। इस विवादास्पद कार्रवाई का बचाव करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा था कि कभी-कभी कुछ लोगों को उनकी समझ में आने वाली 'भाषा' में चीजों को समझाने की जरूरत होती है। ऋसके मायने यह भी हैं कि ऐसे तत्वों को अदालतों द्वारा उन्हें दोषी या निर्दोष ठहराये जाने का इंतजार किए बिना ही दंडित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बीते साल नवंबर में, सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर के लगातार इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिये कई दिशा-निर्देश दिए थे। इसमें मकान आदि के ध्वस्तीकरण से पंद्रह दिन पहले कब्जाधारियों को सचेत करना भी शामिल था। अदालत ने तो यहां तक चेतावनी दी थी कि निर्देशों का अतिक्रमण करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में बदलाव नहीं आया। इसमें दो राय नहीं कि सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के प्रति शून्य-सहिष्णुता का नजरिया जरूरी है। अवैध निर्माण हटाया जाना चाहिए, लेकिन सभी कायदे-कानूनों का पालन भी उतना ही जरूरी है। अदालत मानती रही है कि जल्दबाजी में बुलडोजर का इस्तेमाल असंवैधानिक है और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन भी है। इसकी कानून इजाजत नहीं देता। प्रयागराज व महाराष्ट्र में कई जगह लोगों ने आरोप लगाया कि नोटिस देने के चौबीस घंटों में ही उनके मकान गिरा दिए गए। ऐसी ही कार्रवाई नागपुर हिंसा के बाद आरोपियों के घर गिराने में की गई। कहा गया कि लोगों को अपील करने का भी मौका नहीं दिया गया। वैसे यह नैसर्गिक न्याय की अवहेलना है कि एक कथित दोषी के कृत्यों की सजा उसके पूरे परिवार को दी जाती है। उस घर में उस व्यक्ति के परिवार के अन्य सदस्य भी रहते हैं। यह विडंबना है कि नागपुर मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बैंच ने आरोपियों की संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाई थी, लेकिन जब तक आदेश पहुंचा तब तक स्थानीय प्रशासन कार्रवाई कर चुका था। वैसे हकीकत यह भी है कि कोई अवैध निर्माण रातोंरात खड़ा नहीं हो जाता। जब उसका निर्माण होता है तो स्थानीय प्रशासन की नजर उस पर क्यों नहीं जाती। एकाएक ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो जाती है कि उसे गिराने की तत्काल जरूरत पड़ती है। फिर तुरत-फुरत बुलडोजर चल जाता है। सवाल यह भी कि हर छोटे-बड़े, धनाढ्य वर्ग, प्रभावशाली नेताओं के अवैध निर्माण पर पीला पंजा क्यों नहीं चलता? निस्संदेह, बुलडोजर की गति राजाश्रय के संरक्षण में ही तेज होती है।

मनोज कुमार की फिल्मी देशभक्ति और देश की राजनीति

अपने सफल फिल्मी जीवन के आखिरी सालो में मनोज कुमार ने राजनीति में कदम रखकर अगर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली तो यह मनोज कुमार का स्वाभाविक चयन ही था। यह भी संयोग है कि भारतीय फिल्म जगत का सर्वाधिक प्रतिष्ठित दादा साहब फालके पुरस्कार भी मनोज कुमार को 2015 में मोदी सरकार सत्ता में आने के बाद मिला। हालांकि 1992 में नरसिंहराव सरकार के समय उन्हें पद्मश्री से नवाजा गया था। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं है कि जिस जमीन पर आज 'इंडिया फर्स्ट' वाली सोच का महल खड़ा है, फिल्म जगत में उसकी नींव मनोज कुमार ने ही रखी थी।

हिंदी फिल्मों में गुजरे जमाने के एक खूबसूरत, ख्यालों में खोए से और देशभक्ति को अपनी पिक्चरों की केंद्रीय थीम बनाकर देश को एक अलग तरह का संदेश देने वाले हीरो मनोज कुमार का हिंदी फिल्म जगत को क्या अवदान है? देशभक्ति की उनकी परिभाषा, सेल्युलाइड पर उसका चित्रण को भारत की बदलती राजनीतिक, सामाजिक चेतना के सदंर्भ में मनोज कुमार की भूमिका को हम किस रूप में याद करें? यह सवाल 87 वें साल में उनके निधन के बाद ज्यादा मौजूं हो गए हैं। मनोज कुमार ने फिल्मों में अपनी आदर्शवादी, समावेशी देशभक्ति व राष्ट्रप्रेम के जरिये भविष्य में एक केंद्रीय राजनीतिक विचार में तब्दील होने वाले प्रखर और काफी हद उग्र राष्ट्रवाद की शुरुआती जमीन तैयार की। मनोज कुमार कितने महान और वर्सटाइल अभिनेता थे, इस पर प्रश्नचिन्ह हैं, लेकिन वो एक निष्णात, डायरेक्टर, निर्माता संपादक और संवाद लेखक निऱ्संदेह थे।

मनोज कुमार ने देश की स्वतंत्रता के एक दशक बाद नैतिक मूल्यों का आदर्श कायम रखते हुए देश के लिए जीने-मरने का ऐसा संदेश दिया, जो उस जमाने में हावी समाजवादी सोच और धर्मनिरपेक्ष आग्रहों से थोड़ा अलग हटकर था। इस अर्थ में मनोज कुमार को निर्मल देशभक्ति और प्रखर राष्ट्रवाद के मिलन बिंदु पर खड़ा कलाकार कहा जा सकता है। जो रोमांस में भी राष्ट्रीय मूल्यों को सहेजता है और जो राष्ट्रीय मूल्यों में रोमांस को जीता है।

कुछ लोग मनोज कुमार की देशभक्ति को अति भावुकता से लबरेज और किसी हद तक अवास्तविकता से भरा मानते हैं। बावजूद इसके यह सचाई है कि मनोज कुमार ने यह फार्मूला व्यावसायिक तौर पर हिंदी फिल्मों में सफलता से अप्लाय किया और अपनी एक अलग छवि तैयार की।

यूं मनोज कुमार ने अपना फिल्मी कॅरियर उनकी पहली फिल्म कांच की गुड़िया (1961) से शुरू किया। लेकिन उस फिल्म के चाकलेटी चेहरे वाले हीरो मनोज कुमार का कोई खास नोटिस नहीं लिया गया। याद रहे कि मनोज कुमार का फिल्म इंडस्ट्री में आगमन उस जमाने में हुआ, जब एक तरफ देवदास तो दूसरी तरफ प्ले ब्वॉय या फिर समाजवादी विचार से प्रेरित फिल्मी नायकों का जोर था।

खुद मनोज कुमार जिनका असली नाम हरेकृष्ण गोस्वामी था, दिलीप कुमार के प्रशंसक थे। और दिलीप साहब की एक पुरानी फिल्म शबनम में उनके किरदार मनोज कुमार से प्रभावित होकर अपना फिल्मी नाम भी मनोज कुमार रख लिया था। फिल्मों में शुरुआती चार साल मनोज कुमार के संघर्ष के थे। हालांकि आंखें बंद कर डायलॉग बोलने की उनकी अदा जरूर नोटिस की गई थी। 1964 में आई राज खोसला की यादगार फिल्म वह कौन थी में मनोज बतौर हीरो नमूदार हुए, लेकिन वह फिल्म चली हीरोइन साधना के अभिनय और मदन मोहन के अमर संगीत के कारण। आज भी इस फिल्म के लिए लताजी द्वारा गाया 'लग जा गले' लता मंगेशकर के टॉप टेन सांग में शामिल करना ही पड़ता है।

लेकिन मनोज कुमार की फिल्मी कामयाबी और हिंदी फिल्म उद्योग में देशभक्ति को सफल व्यावसायिक फार्मूला बनाने की कहानी शहीद भगत सिंह पर बनी फिल्म शहीद से शुरू होती है। इस फिल्म का संगीत आज भी लाजवाब है। इसी फिल्म को देखकर तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने मनोज कुमार को देशभक्ति और उनके अमर नारे जय जवान, जय किसान पर केंद्रित एक फिल्म बनाने का सुझाव दिया। मनोज कुमार ने उस पर पूरी ईमानदारी से अमल किया और फिल्म उपकार बनाई। मूलतऱ यह एक प्रचार फिल्म ही थी, लेकिन इसने रचनात्मकता, संवेदनशीलता, मैसेजिंग और बॉक्स आफिस पर कामयाबी का नया इतिहास रचा। इसीलिए देश में राजनीतिक एजेंडों पर जितनी भी फिल्में बनी हैं, उनमें उपकार का मयार सबसे अलग और शाश्वत है। मनोज कुमार ने इसे दिल से बनाया था। यानी यह प्रचार फिल्म होकर भी देशप्रेम का सार्थक संदेश देने वाली अमर फिल्म बन गई। शानदार पटकथा, कहानी, अभिनय, संवाद, पात्रों की संरचना, गीत और संगीत ने भी इस फिल्म को हिंदी की श्रेष्ठ फिल्मों में स्थापित कर दिया। इस फिल्म के निर्माण के दौरान हुए भारत-पाक युद्ध के दौरान उभरे राष्ट्रप्रेम, युद्ध के कुछ समय बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की असमय और रहस्यमय निधन ने इस फिल्म की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया।

इस फिल्म में महेंद्र कपूर द्वारा गाए देशभक्ति गीत 'मेरे देश की धरती' ने हमारे राष्ट्रीय पर्वों के थीम सांग की जगह ले ली और खुद महेंद्र कपूर देशभक्ति गीतों के आइकन और मनोज कुमार 'भारत कुमार' की ऐसी छवि में ऐसे ढल गए कि जिसका लाभांश उन्हें 1981 तक मिलता रहा।

हालांकि मनोज कुमार ने 'उपकार' के बाद 'पूरब पश्चिम', 'रोटी-कपड़ा-मकान', 'क्रांति' जैसी देशभक्तिपूर्ण और बॉक्स ऑफिस पर हिट फिल्में बनाईं, लेकिन 'उपकार' जैसा क्लासिक शाहकार वो नहीं बन सकीं।

इस दृष्टि से 1965 से 1981 का वह दौर, जो दो भारत-पाक युद्धों, समाजवादी-सेक्युलर और राष्ट्रवादी विचारों के बीच गहराते संघर्ष, आदर्शवाद और व्यवहारवाद में बढ़ते टकराव, 1971 के युद्ध में भारत की निर्णायक जीत के बाद आपातकाल में लोकतंत्र का दमन, गैर कांग्रेसी विचारों का असफल एकीकरण, नई राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक चेतना की दरकार एवं आजादी के बाद देखे और दिखाए गए सपनों के मोहभंग के बीच मनोज कुमार का फिल्मों में देशप्रेम के गुण गाते रहने का आग्रह शुरू में बहुत प्रेरक महसूस हुआ। बाद में वह केवल फिल्मों को हिट बनाने वाले फार्मूले में तब्दील हो गया। खासकर देश में बढ़ती बेचैनी, एंग्री यंगमैन बनती जा रही पीढ़ी को यह फार्मूला अप्रासंगिक महसूस होने लगा। उदार, सौम्य और सर्व समावेशी देशप्रेम धीरे- धीरे उग्र राष्ट्रवाद में बदलने लगा। सत्तर के दशक के अंतिम वर्षों में देश में 'सर्व धर्म समभाव' की उदात्त चेतना की जड़े हिलने लगी थी। ऐसे में मनोज कुमार का 'मेरा रंग दे बसंती चोला' का आह्वान भी रंग खोने लगा था। अस्सी के दशक में बहुसंख्यक हिंदुओं की धार्मिक चेतना उग्र राष्ट्रवाद के आवरण में नई हिलोरे लेने लगी, तब तक मनोज कुमार स्टाइल की देशभक्ति असर फीका पड़ गया था। बावजूद इसके मनोज कुमार उर्फ भारत कुमार चरित्र के दो प्रातिनिधिक गीत 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोती' और 'भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं...' भविष्य में आर्थिक और सैनिक ताकत वाले भारत की पूर्व पीठिका तैयार कर चुके थे।

वैसे 'देशभक्ति फार्मूले' से इतर भी मनोज कुमार ने कई फिल्मों में रोमांटिक हीरो का किरदार जिया, लेकिन इस रोल में वो किसी भी पीढ़ी का वैसा आइकन नहीं बन सके, जैसे दिलीप कुमार, देवानंद, राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन या शाहरूख खान रहे हैं। अपने सफल फिल्मी जीवन के आखिरी सालो में उन्होंने राजनीति में कदम रखकर अगर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली तो यह मनोज कुमार का स्वाभाविक चयन ही था।

यह भी संयोग है कि भारतीय फिल्म जगत का सर्वाधिक प्रतिष्ठित दादा साहब फालके पुरस्कार भी मनोज कुमार को 2015 में मोदी सरकार सत्ता में आने के बाद मिला। हालांकि 1992 में नरसिंहराव सरकार के समय उन्हें पद्मश्री से नवाजा गया था। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं है कि जिस जमीन पर आज 'इंडिया फर्स्ट' वाली सोच का महल खड़ा है, फिल्म जगत में उसकी नींव मनोज कुमार ने ही रखी थी।

टैरिफ से व्यापार युद्ध और मंदी में फंस सकती है दुनिया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क लगाने से पूरी दुनिया में व्यापार युद्ध का खतरा बढ़ गया है। इस कदम से वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त होने के साथ दुनियाभर में महंगाई और बेरोजगारी तेजी से बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के इस फैसले के बाद अन्य प्रभावित देश अगर जवाबी कदम उठाते हैं, तो स्थिति और खराब हो सकती है, जिससे दुनिया के मंदी में फंसने का खतरा उत्पन्न हो जाएगा। ब्रोकरेज कंपनी बर्नस्टीन ने एक नोट ने कहा कि चीन जैसे कुछ देश अमेरिका के खिलाफ जवाबी कदमों की घोषणा कर सकते हैं, जिससे दुनियाभर में व्यापार युद्ध का दौर शुरू हो जाएगा। इससे न सिर्फ महंगाई बहुत अधिक बढ़ेगी, बल्कि मंदी का खतरा भी रहेगा। हालांकि, कई अर्थव्यवस्थाएं पीछे के रास्ते से बातचीत कर हालात को आसान करने की कोशिश करेंगी, जिससे स्थिति कुछ बेहतर होने की उम्मीद की जा सकती है।

एक अन्य ब्रोकरेज कंपनी जेपी मॉर्गन का मानना है कि नए टैरिफ से बड़ी आर्थिक गिरावट आ सकती है। इससे अमेरिका व वैश्विक अर्थव्यवस्था दोनों मंदी के दलदल में फंस सकते हैं। जेपी मॉर्गन का विश्लेषण बताता है कि अगर ये शुल्क पूरी तरह लागू हुए, तो अमेरिका की प्रभावी टैरिफ दर 25 फीसदी के स्तर तक पहुंच सकती है, जो 3.3 लाख करोड़ डॉलर के अमेरिकी उत्पादों के आयात पर असर डाल सकती है। ब्रोकरेज कंपनी ने कहा कि इन नीतियों का पूरी तरह लागू होना एक बड़ा आर्थिक झटका होगा। यह झटका दुनियाभर की बाजार की धारणा पर असर डालेगा। इसलिए, आने वाले दिन बहुत महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि नए टैरिफ का लागू होना और बातचीत की प्रक्रिया इनके लंबे समय के असर को तय करेगी।

एचएसबीसी ने एक शोध रिपोर्ट में कहा कि टैरिफ के कारण वैश्विक व्यापार की रफ्तार धीमी हो सकती है। वैश्विक निर्यात की वृद्धि दर 2024 के 2.9 फीसदी से 1.6 फीसदी घटकर 2025-26 में महज 1.3 फीसदी रह सकती है। इसकी मुख्य वजह अमेरिका में मांग में कमी और वैश्विक निवेश-व्यापार को लेकर बढ़ती अनिश्चितता है। यह गिरावट अमेरिकी आयात में कमी और व्यापारिक नीतियों की अस्पष्टता के कारण वैश्विक निवेश में पड़ने वाला नकारात्मक असर है। एचएसबीसी ने कहा कि ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान व्यापारिक तनाव और टैरिफ की वजह से दो वर्षों में वैश्विक जीडीपी में करीब एक फीसदी की गिरावट आई थी। लेकिन, इस बार टैरिफ पहले के मुकाबले अधिक व्यापक और गंभीर हैं। जेपी मॉर्गन ने बताया कि टैरिफ का महंगाई पर असर होगा। इस साल पूरी दुनिया में महंगाई दो फीसदी बढ़ सकती है। महंगाई बढ़ने से न सिर्फ मांग और खपत में गिरावट आएगी, बल्कि बेरोजगारी बढ़ने की भी आशंका है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, बढ़ी वैश्विक अनिश्चितता से निकट भविष्य में सुधार और बाजार में उथल-पुथल हो सकती है, लेकिन लंबे समय में दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। एक्सिस सिक्योरिटीज ने कहा कि टैरिफ की सीमा, जो बाजार की उम्मीदों से अधिक हो गई है, के कारण निकट भविष्य में बाजार में अस्थिरता बनी रहने की उम्मीद है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि ये उपाय स्वाभाविक रूप से अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति की दिशा को जटिल बना सकते हैं। व्यापार में व्यवधान बढ़ने से अमेरिका में मंदी आ सकती है, जो पूरी दुनिया को प्रभावित करेगी। एक्सिस सिक्योरिटीज इसे एक अवसर के रूप में देखती है और 10 प्रतिशत तक निवेश बढ़ाने और बाजार में गिरावट का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले शेयरों में निवेश की सिफारिश करती है।

ईवाई का मानना है कि 27 फीसदी टैरिफ से भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 0.5 फीसदी तक घट सकती है। इससे जीडीपी वृद्धि दर घटकर 6 फीसदी रह सकती है। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में अमेरिका को निर्यात में 2-3 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की भारत में आर्थिक शोध प्रमुख अनुभूति सहाय ने कहा कि अन्य बातों के समान रहने पर भारत की वृद्धि दर पर 0.35 से 0.40 फीसदी तक असर पड़ सकता है। हालांकि, अंतिम असर भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर निर्भर करेगा।बर्नस्टीन का मानना है कि आईटी और फार्मा क्षेत्र को टैरिफ से छूट दी गई है। ये सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत जरूरी हैं। इससे भारत को राहत मिलेगी। उधर, चीन को होने वाले नुकसान से भारत को फायदा हो सकता है, क्योंकि चीनी उत्पादों पर टैरिफ और भी ज्यादा है। निवेश के मोर्चे पर ब्रोकरेज कंपनी का कहना है कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय वार्ता चल रही है, उससे भारत चुनौतियों से निपट लेगा और व्यापार युद्ध बढ़ाने के बजाय अमेरिका से बातचीत करेगा। बता दें कि पहले 26 प्रतिशत, फिर 27 प्रतिशत और अब फिर 26 प्रतिशत । ट्रंप प्रशासन ने भारत पर लगाए जाने वाले आयात शुल्क को 27 प्रतिशत से घटाकर फिर 26 प्रतिशत कर दिया है। व्हाइट हाउस के एक दस्तावेज में इसकी पुष्टि की गई। यह शुल्क 9 अप्रैल से लागू होंगे। बुधवार को विभिन्न देशों के विरुद्ध पारस्परिक टैरिफ का ऐलान करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक चार्ट दिखाया था, जिसके अनुसार में भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाने का जिक्र था। यही चार्ट दिखाकर ट्रंप ने ऐलान किया था कि भारत, चीन, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे देशों को अब क्या टैरिफ देना होगा। चार्ट को दिखाकर ट्रंप ने बताया था कि भारत अमेरिका से आयात पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है, लेकिन अमेरिका भारत पर रियायत दर 26 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाएगा। हालांकि, ट्रंप प्रशसन की ओर से जो आधिकारिक दस्तावेज जारी किए थे उसमें भारत पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही गई थी। हालांकि ताजा अपडेट के अनुसार टैरिफ की दर को घटाकर 26 प्रतिशत कर दिया गया है। जानकारों के अनुसार टैरिफ में एक प्रतिशत के अंतर से कारोबार पर कोई विशेष फर्क नहीं पड़ेगा। 2021-22 से 2023-24 तक अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 फीसदी, आयात में 6.22 फीसदी और द्विपक्षीय व्यापार में 10.73 फीसदी है। 2023-24 में अमेरिका के साथ भारत आयात और निर्यात के बीच का अंतर 35.32 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। यह आंकड़ा 2022-23 में 27.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर, 2021-22 में 32.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर, 2020-21 में 22.73 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 2019-20 में 17.26 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। भारत की ओर से 2024 में अमेरिका को किए गए मुख्य निर्यात में औषधि निर्माण (8.1 बिलियन अमरीकी डॉलर), दूरसंचार उपकरण (6.5 बिलियन अमरीकी डॉलर), कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर (5.3 बिलियन अमरीकी डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (4.1 बिलियन अमरीकी डॉलर), सोना और अन्य कीमती धातु के आभूषण (3.2 बिलियन अमरीकी डॉलर), सहायक उपकरण सहित तैयार सूती वस्त्र (2.8 बिलियन अमरीकी डॉलर), और लोहा और इस्पात के उत्पाद (2.7 बिलियन अमरीकी डॉलर) शामिल हैं। इधर, वैश्विक व्यापार युद्ध की बढ़ती आशंकाओं के बीच शुक्रवार को भारतीय शेयर सूचकांक सेंसेक्स 900 अंक से अधिक टूटकर 76,000 के स्तर से नीचे आ गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 930.67 अंक या 1.22 प्रतिशत गिरकर 75,364.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,054.81 अंक या 1.38 प्रतिशत गिरकर 75,240.55 अंक के निचले स्तर पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 345.65 अंक या 1.49 प्रतिशत गिरकर 22,904.45 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान 50 शेयरों वाला बेंचमार्क इंडेक्स 382.2 अंक या 1.64 प्रतिशत गिरकर 22,867.90 पर बंद हुआ।जानकारों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और बाजार में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टूब्रो और इंफोसिस जैसी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से निराशा और बढ़ गई।सेंसेक्स में शामिल शेयरों में सबसे ज्यादा नुकसान टाटा स्टील को हुआ, जिसमें 8.59 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो, अदाणी पोर्ट्स, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मास्युटिकल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस और एनटीपीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, एशियन पेंट्स और एक्सिस बैंक के शेयरों में लाभ रहा। व्यापक बाजार की बात करें तो बीएसई मिडकैप सूचकांक में 3.08 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में 3.43 प्रतिशत की गिरावट आई। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा कि वैश्विक शेयर बाजार में गिरावट के कारण बाजार में भी गिरावट आई तथा व्यापक बिकवाली के कारण विभिन्न क्षेत्रों में 2-6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

आत्म पुरोहित श्रीदत्त महाराज (कोनी धाम) के सान्निध्य में गोसेवा

आत्मनिर्भर गौशालाओं और पंचगव्य उद्योगों पर विमर्श

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ
मध्य प्रदेश/जबलपुर जिले सहित मध्य प्रदेश के पवित्र धाम कोनी में स्थित आत्म पुरोहित श्रीदत्त महाराज की गौशाला में सौभाग्य प्राप्त हुआ । यह यात्रा केवल एक गौशाला दर्शन नहीं थी , बल्कि गौसेवा , आत्मनिर्भरता और पंचगव्य आधारित उद्योगों के माध्यम से सतत विकास पर गहन मंथन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी । पाटन विधायक अजय बिश्नोई ने की गो माता की पूजन अर्चना । कोशिश यात्रा के दौरान आत्म पुरोहित श्रीदत्त महाराज के सान्निध्य में गोसेवा , आत्मनिर्भर गौशालाओं और पंचगव्य उद्योगों पर विमर्श किया गया । साथ ही यह यात्रा केवल एक गौशाला दर्शन नहीं थी , बल्कि गौसेवा , आत्मनिर्भरता और पंचगव्य आधारित उद्योगों के माध्यम से सतत विकास पर गहन मंथन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था । श्रीदत्त महाराज की गौशाला में लगभग 300 से अधिक निराश्रित गौवंश का

संरक्षण किया जा रहा है । जिनमें से अधिकांश बीमार , त्यक्त , या दुर्घटनाग्रस्त में पीड़ित होकर पुलिस एवं समाजसेवकों द्वारा रेस्क्यू किए गए नंदी महाराज हैं । यह गौशाला सुंदर पहाड़ियों के मध्य स्थित एक दिव्य स्थल है । जहां गौवंश की देखभाल गौशाला सेवकों द्वारा आध्यात्मिक और पारंपरिक तरीकों से की जाती है । देखा जाएं तो गौशाला और आत्मनिर्भरता की दिशा में विचार – विमर्श के दौरान ष्ट – यह तथ्य सामने आया कि देशभर में 70 त्न गौशालाएं आर्थिक संकट से जूझ रही हैं वहीं कई के पास स्थायी चारा व्यवस्था भी नहीं है । इस संदर्भ में गौ आधारित उद्योगों— जैसे जैविक खाद , गौमूत्र अर्क , पंचगव्य चिकित्सा , प्राकृतिक सौंदर्य उत्पाद और हर्बल खाद्य सामग्री — पर महाराज के मार्गदर्शन में गहन विमर्श हुआ । इस यात्रा के बाद यह स्पष्ट हुआ कि गोशालाओं को केवल सहानुभूति नहीं , बल्कि ठोस आर्थिक और व्यवस्थागत समर्थन की आवश्यकता है । आत्मपुरोहित श्रीदत्त महाराज की दूरदृष्टि और उनके द्वारा संचालित गौशाला के अनुभव से यह प्रेरणा मिली कि यदि हम संगठित होकर कार्य करें , तो गौशालाओं को आत्मनिर्भर भी बनाना असंभव नहीं ।

चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार : स्कूटी की डिक्की से चोरी किए थे रूपए

मैहर बस स्टैंड से पुलिस ने दबोचा

कटनी, कटनी कोतवाली थाना क्षेत्र के गोलबाजार स्थित कांच मंदिर हनुमान के सामने खड़ी एक स्कूटी की डिक्की में रखे 50 हजार रूपए चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया है। इस मामले में दो आरोपी और है जो फरार बताए जा रहे हैं। फरार आरोपियो की तलाश पुलिस टीम द्वारा की जा रही है।

कोतवाली थाना प्रभारी आशीष कुमार शर्मा ने बताया जागृति कॉलोनी निवासी ओमप्रकाश कोरी सेवानिवृत्त शिक्षक हैं, 25 मार्च 2025 को बैंक से 50 हजार रूपए निकालकर अपनी स्कूटी की डिक्की में रखे थे, इसके बाद वे गोलाबाजार स्थित कांच हनुमान मंदिर के सामने स्कूटी खड़ी कर कुछ अन्य सामान खरीदी के लिए चले गए। वापस आने पर स्कूटी की डिक्की खुली हुई थी और उसके अंदर रखे 50 हजार रूपए और पासबुक चोरी हो चुकी थ। चोरी

की वारदात की सूचना ओमप्रकाश कोरी ने कोतवाली थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रकरण की विवेचना शुरू की। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को देखा गया तो स्कूटी के पास चार युवक डिक्की से चोरी करते हुए दिखे। पुलिस टीम ने युवकों की पहचान के बाद उनकी तलाश शुरू की। इस बीच पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर मैहर जिले के बस स्टैंड के पास से चोरी करने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है, युवकों ने पूछताछ में चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपियों से 28 हजार रूपए बरामद कर लिए है। पकड़े गए आरोपी उत्तरप्रदेश के ओरैया निवासी सलमान वारसी और इटावा निवासी सत्येन्द्र कुमार हैं। इस मामले में दो आरोपी विनोद दोहरे और मटरी नामक युवक फरार है। दोनों आरोपों की तलाश की जा रही है।

मंदिर के सामने शराब दुकान हटाने की मांग पर बजरंग दल का चक्का जाम और प्रदर्शन

आबकारी विभाग के खिलाफ पुतला दहन कर की नारेबाजी

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले के गर्ग चौराहे पर बजरंगियों ने चाका जाम कर आबकारी विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया ये सभी घंटा घर इलाके में मंदिर के सामने खुली शराब दुकान से आकृषित थे। जिए हटाने के लिए सभी बजरंगियों ने चक्का जाम कर जोरदार नरबाजी कर प्रदर्शन किया।

बजरंग दल के पदाधिकारी राहुल दुबे बताया कि घंटा घर इलाके मंदिर के सामने आबकारी विभाग के अधिकारियों ने शराब दुकान से साठ गांठ कर मंदिर के सामने शराब दुकान खुलवा दी है, इस शराब दुकान को हटवाने के लिए वे आबकारी विभाग के अधिकारियों से कई बार बिनती कर चुके थे लेकिन आबकारी विभाग के अधिकारी उनकी एक भी नहीं सुनी जिससे आक्रोषित

बजरंग दल के सभी कार्यकर्ताओं ने गर्ग चौराहे में एक एकत्रित हो घंटा घर की दुकान हटवाने के लिए सड़क पर बैठ चक्का जाम कर दिया। वही बजरंगियों ने आबकारी विभाग का पुतला भी फुक जोरदार नारबेजी कर प्रदर्शन किया। वही मौके पर मौजूद कोतवाली थाना की और आबकारी विभाग के अधिकारियों ने वाटर केनन का स्तेमाल कर जल रहे पुतले पर पानी डलवा मामले को शांत करते हुए यह आश्वासन दिया है कि जल्द ही शराब दुकान को जल्द ही मंदिर से दूर ले जाया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अमरकंटक में चलाया गया श्रमदान कार्यक्रम

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के निर्देशन में अनूपपुर जिले में 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत आज अमरकंटक में श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे नर्मदा नदी के रामघाट के पुल की सफाई एवं दक्षिण तट रामघाट एवं आस-पास की सफाई नगरपालिका अध्यक्ष अमरकंटक श्रीमती पार्वती सिंह, मुख्य नगरपालिका अधिकारी अमरकंटक श्री शिव प्रसाद धुर्वे सहित जनप्रतिनिधियों, नगर परिषद के अमले द्वारा श्रमदान कर की गई।

भगवत शरण माथुर की जयंती पर आयोजित होगा निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य परामर्श शिविर

13 अप्रैल को अमरकंटक में आयोजित शिविर में शामिल होंगे उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, जिले के पवित्र नगरी अमरकंटक में श्री नर्मदे हर सेवा न्यास के द्वारा 13 अप्रैल 2025 को स्व. भगवत शरण माथुर के जयंती के अवसर पर नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन रेवा धाम बराती न्यास मुख्यालय अमरकंटक में किया जाएगा। आयोजन को लेकर श्री नर्मदे हर सेवा न्यास के अध्यक्ष मध्य प्रदेश कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) रामलाल रौतेल ने बताया कि 13 अप्रैल को स्व. भगवत शरण माथुर की जयंती है सन 1975 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में राष्ट्र सेवा देश की सच्ची सेवा में रत हो गए। प्रखर राष्ट्रभक्त कार्यकर्ताओं के प्रेरणा स्रोत स्व. भगवत शरण माथुर अनेक जिलों में प्रचारक रहे रीवा संभाग में भाजपा के संगठन मंत्री एवं भाजपा मध्य प्रदेश सहसंगठन महामंत्री तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) बीजेपी, हरियाणा प्रांत एवं राष्ट्रीय समन्वयक भाजपा अनुसूचित जनजाति/ अनुसूचित जाति /सहकारिता प्रकोष्ठ भी रहे। श्री नर्मदे हर सेवा न्यास अमरकंटक के संस्थापक अध्यक्ष भी स्व. माथुर रहे। उनकी जयंती के अवसर पर न्यासा मुख्यालय अमरकंटक में 13 अप्रैल 2025 को स्वास्थ्य शिविर के साथ विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है स्वास्थ्य शिविर में प्रसिद्ध चिकित्सकों द्वारा सेवाएं प्रदान की जाएगी साथ ही नि:शुल्क दावों का

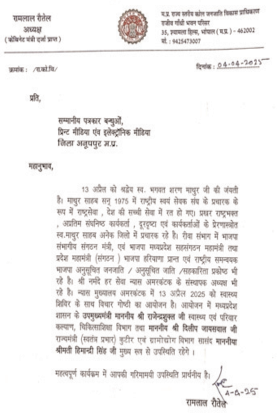

रामलाल रौतेल
अध्यक्ष
(कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त)

म.प्र. राज्य स्तरीय कोल जनजाति विकास प्राधिकरण
राजीव गाँधी भवन परिसर
35, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.) - 462002
मो. : 9425473007

क्रमांक : /रा.को.वि/

दिनांक : 04-04-2025

प्रति,

सम्मानीय पत्रकार बन्धुओं,
प्रिन्ट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
जिला अनूपपुर म.प्र.

महानुभाव,

13 अप्रैल को श्रद्धेय स्व. भगवत शरण माथुर जी की जंयती है। माथुर साहब सन् 1975 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक के रूप में राष्ट्रसेवा , देश की सच्ची सेवा में रत हो गए। प्रखर राष्ट्रभक्त , अप्रतिम संघनिष्ठ कार्यकर्ता , दूरदृष्टा एवं कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्त्रोत स्व.माथुर साहब अनेक जिलो में प्रचारक रहे है। रीवा संभाग में भाजपा संभागीय संगठन मंत्री, एवं भाजपा मध्यप्रदेश सहसंगठन महामंत्री तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) भाजपा हरियाणा प्रान्त एवं राष्ट्रीय समन्वयक भाजपा अनुसूचित जनजाति / अनुसूचित जाति /सहकारिता प्रकोष्ठ भी रहे है। श्री नर्मदे हर सेवा न्यास अमरकंटक के संस्थापक अध्यक्ष भी रहे है। न्यास मुख्यालय अमरकंटक में 13 अप्रैल 2025 को स्वास्थ्य शिविर के साथ विचार गोष्ठी का आयोजन है। आयोजन में मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री माननीय श्री राजेन्द्रशुक्ल जी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्साशिक्षा विभाग तथा माननीय श्री दिलीप जायसवाल जी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग सासंद माननीया श्रीमती हिमान्द्री सिंह जी मुख्य रूप से उपस्थिति रहेंगे ।

महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आपकी गरिमामयी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

4-4-25
रामलाल रौतेल

वितरण भी किया जाएगा। इस शिविर का अधिक से अधिक लोग लाभ प्राप्त करें। शिविर का आयोजन 13 अप्रैल 2025 को प्रात: 9=00 बजे से शाम 5=00 बजे तक किया जाएगा। श्री रौतेल ने बताया कि इस आयोजन में मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण चिकित्सा विभाग तथा दिलीप जायसवाल (राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार)कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग एवं सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे इस आयोजन में श्री रौतेल ने भारतीय जनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ता और पदाधिकारियों तथा जिले की आम जनमानस से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने तथा शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई।

पशु तस्करी से दो दर्जन पड़वा जप्त

कोतमा, सुद्रेंश सिंह थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि पडवा (भैसा) को कुछ व्यक्तियों व्दारा परिवहन करने की नियत से मवेशियों को ग्राम चंगेरी के नर्सरी में रेल्वे लाईन के पास बांध कर रखे हुये है मुखबिर सूचना की तस्दीक हेतु बताएं स्थान पर जाकर घेराबंदी कर रेड किया तो पड़वा (भैसा) बिना पानी चारा के क्रूरता से बंधे हुये मिले वहां पर उपस्थित व्यक्ति से नाम पता पूछा गया तो अपना नाम लक्ष्मण साहू उर्फ लल्लू पिता रामस्वरूप साहू उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम बसखला थाना कतोमा का होना बताया, मवेशियों की तस्करी करना बताया जो मवेशियों को बिना चारा पानी व्यवस्था के बांध कर रखा गया, उपरोक्त के कब्जे से मवेशी पड़वा 24 नग, एक पड़वा की कीमत पचास हजार रूपये ,24 नग पड़वा कीमती 1200000 रूपये जप्त कर उक्त आरोपी व्दारा प्रथम दृष्टया मवेशियों को क्रूरता पूर्वक बिना चारा पानी के बांधे रखा पाया गया जो आरोपी के विरुद्ध अपराध 130/25 धारा 11 घ पशु क्रूरता अधिनियम 6,6क.6 (ख) (1),9,10 म. प्र. कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम कर विवेचना में लिया गया।

कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बेनीबारी का किया निरीक्षण

7 कर्मचारी पाए गए अनुपस्थित, दिए कार्यवाही के निर्देश

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने आज जिले के भ्रमण के दौरान जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेनीबरी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने स्टॉक पंजी, दवाई कक्ष, ओपीडी कक्ष, रजिस्टर पंजी, सर्जिकल वार्ड, जरनल वार्ड सहित अन्य कक्षों का निरीक्षण किया। इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के 7 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए। इस दौरान कलेक्टर ने इलाज कराने आए मरीजों से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मिलने वाले स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में विभिन्न सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अमले से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ श्री गणेश पांडेय सहित स्वास्थ्य विभाग का अमला उपस्थित था।

औषधि निरीक्षक की संयुक्त टीम द्वारा मेडिकल दुकानों का किया गया निरीक्षण

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
कोतमा, जिला दंडाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना रामनगर अन्तर्गत मेडिकल दुकानों में प्रतिबंधित मादक पदार्थ युक्त दवाईयों की निरीक्षण थाना रामनगर पुलिस एवं औषधि निरीक्षक अनूपपुर की संयुक्त टीम द्वारा किया गया है ।श्रीराम मेडिकल स्टोर एवं कुमार मेडिकल स्टोर में की गई निरीक्षण के दौरान श्रीराम मेडिकल स्टोर में नार्कोटिक्स सम्बन्धित दवाईयां पायी गई जिसे खरीदी विक्री बिल के साथ ड्रग लायसेंसी व्यक्ति द्वारा बेंचा जा सकता है ,उक्त दवाईयों के खरीदी विक्री बिल, स्टॉक रजिस्टर चेक किये गये है ।

क्या है नियम? औषधि प्रशाधन सामग्री अधिनियम 1940 नियमावली 1945 के तहत प्रत्येक नार्कोटिक दवाओं की बिक्री के लिए लाइसेंस धारी को इनकी ख़रीदी बिक्री का विवरण रखना अनिवार्य होता है । इस प्रकार के निरीक्षण नार्कोटिक्स सम्बन्ध में निरंतर किया जावेगा तथा कमी पाये जाने पर विधि अनुसार कार्यवाही की जायेगी । उक्त चेंकिंग कार्यवाही में औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) प्रमोद कुमार कुलेश एवं थाना प्रभारी सुमित कौशिक, प्रआर0 84 सनत द्विवेदी, आर0 547 अनुरांग भार्गव के शामिल रहे हैं ।

कटनी में तेज आवाज वाले साइलेंसर पर सख्ती

SDM की अगुवाई में दर्जनों बुलेट जब्त

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिला प्रशासन, यातायात पुलिस ने कोतवाली थाना तिराहे पर कई बुलेट को रोक उसमें लगे तेज आवाज वाले और डुप्लीकेट साइलेंसर को हटवाने और चलानी कार्यवाही की हैं। एसडीएम कटनी प्रदीप मिश्रा के नेतृत्व में कार्यवाही को अंजाम दिया। इस दौरान करीबन 10 से जायदा मोडिफाइड साइलेंसर को बुलेट में लगा होना पाया गया। इस कार्यवाही से बुलेट चालको में हड़कंप मच गया। एसडीएम प्रदीप मिश्रा ने बताया कि बुलेट में लगे तेज आवाज करने वाले साइलेंसरों को निकलवाने और बुलेट मालिकों का चालानी कार्यवाही की गई। कटनी एसडीएम प्रदीप मिश्रा ने यह भी बताया कि सुबह के व्यक्त भी कटनी जिले की कई ऑटो मोबाइलों की दुकानों में दविश दे एक सैकड़ा करीब बुलेटो से साइलेंसर जब्त किए है जो मोडिफाई थे। यह कार्यवाही कटनी ट्रैफिक पुलिस की सहायता से की गई है।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में हुए एमओयू की प्रगति के संबंध में हुई बैठक

जीबीसी हो चुकी इकाईयों में कॉमर्शियल प्रोडक्शन कराएं प्रारंभ, निवेशकों से वार्ता कर बाधाओं को करें दूर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, मण्डलायुक्त अटल कुमार राय के निर्देशों के क्रम में संयुक्त विकास आयुक्त दुष्यन्त कुमार सिंह की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में ग्लोबल इन्वेस्टर में निवेशकों द्वारा हस्ताक्षरित एवं जीबीसी हुए एमओयू की प्रगति की समीक्षा बैठक हुई। समीक्षा बैठक में हुए एमओयू की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभाग जिनके स्तर से कार्य लम्बित है वह यथाशीघ्र कार्य को पूर्ण करें। यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है इसलिए इसको जिम्मेदारी से करें। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि अपने विभाग से संबंधित एमओयू की वर्तमान स्थिति की पूरी जानकारी रखें। जीबीसी हो चुके एमओयू के कॉमर्शियल प्रोडक्शन प्रारंभ कराएं। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग निवेशकों के साथ सामंजस्य और संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं का तत्परता से निस्तारण सुनिश्चित कराएं। संयुक्त विकास आयुक्त ने जीबीसी हो चुके एमओयू की सूची संबंधित विभागों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निवेशकों को प्रोत्साहित एवं पूर्ण सहयोग करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि जीबीसी हो चुके एमओयू के कॉमर्शियल प्रोडक्शन में आ रही बाधाओं को दूर कराते हुए प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग जीबीसी हो चुके एमओयू की वर्तमान स्थिति सहित आ रही बाधाओं और उसके निस्तारण की रिपोर्ट बनाकर उपलब्ध कराएं।
संयुक्त आयुक्त उद्योग श्रीमती अंजू रानी ने अवगत कराया कि मण्डल के जनपद सहारनपुर में 473 एमओयू, मुजफ्फरनगर में 235 एवं शामली में 78 एमओयू निवेश सारथी पोर्टल पर ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के लिए हस्ताक्षरित किये गये थे। इस अवसर पर डीएफओ शुभम सिंह, सहायक आयुक्त उद्योग डॉ0 बनवारी लाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अभियान चलाकर 30 अप्रैल तक शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री करवाना सुनिश्चित करें :- जिलाधिकारी मनीष बंसल

कैंपों से सफल आयोजन के लिए राजस्व एवं कृषि विभाग के कार्मिकों की लगाई ड्यूटी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल ने समस्त तहसीलदारों को निर्देश दिए कि 30 अप्रैल 2025 तक फार्मर रजिस्ट्री का कार्य विशेष अभियान चलाकर एवं कैंप लगाकर शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए। डीएम मनीष बंसल ने जनपद में राजस्व एवं कृषि विभाग के कर्मचारियों की फार्मर रजिस्ट्री के कार्य हेतु डयूटी लगायी है। इन कैम्पों में सी.एस.सी. के द्वारा, सैल्फ मोड, कैम्प मोड, एवं सहायक मोड पर जो भी संभव हो उन सभी पर कार्य किया जाए, इसके लिये सभी कर्मचारी अपने मोबाइल फोन में सहायक एप, तथा ऑपरेटर एप अवश्य डाउनलोड कर ले। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि कैम्पों का आयोजन प्रत्येक राजस्व ग्राम में ऐसे स्थान पर किया जाए जहाँ ऑनलाइन कार्य करने हेतु इन्टरनेट, कुर्सी-मेज, और बिजली आदि की उपलब्धता हो। कैम्प का आयोजन निर्धारित शेडयूल के अनुसार किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाये कि कैम्पों में सम्बन्धित राजस्व ग्राम के अवशेष रह गये समस्त कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री हो सके। इसके लिए समस्त तहसीलदार तहसील लॉगिन से प्रत्येक ग्राम की अवशेष फार्मर रजिस्ट्री वाले किसान की लिस्ट निकालकर लेखपालों को उपलब्ध करायी जाए। इसके लिये तहसील लॉगिन करके रिपोर्ट में पी0एम0 किसान ड्रिल डाउन में जाकर देखे। इसमें तहसील पर क्लिक करने पर ग्राम खुलेगें। अब ग्राम पर क्लिक करे तो टॉप पर पेंडिंग फॉर्मर रजिस्ट्री वाले किसानों का आप्शन। आएगा उस पर क्लिक करके एक्सल शीट डाउनलोड करके सम्बन्धित लेखपाल को कैम्प की दिनांक से पहले उपलब्ध करा दें। समस्त कैम्पों में सम्बन्धित ग्राम के पंचायत सहायक एवं सी0एस0सी0 के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेगें। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि कैम्प के शेडयूल का स्थानीय जनसंवाद के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये, जिससें शत-प्रतिशत कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री हो सकें। कैम्प में किसानों को आधार कार्ड, आधार कार्ड से जुडे हुए मोबाइल, किसान की समस्त खतौनी लाने हेतु प्रचार किया जाये। इसके अतिरिक्त सभी तहसीलदार अपने लॉगिन से प्रत्येक लेखपाल जहाँ वह तैनात है उनकी आई0डी0 पर लेखपाल को आंवटित समस्त ग्रामों की पुनः मैपिंग कर दे जिससे जनपद के अन्य गांव उनकी आई0डी0 पर न दिखे। लेखपाल को आवंटित गांव में जो फार्मर रजिस्ट्री बन गई है लेकिन अप्रुव करने के लिये पेडिंग है वह लेखपालों के लॉगिन पर दिखने लगेगी जिसे सम्बन्धित लेखपाल द्वारा रिकार्ड से देखकर वेरीफाई करना है। जिसको शतप्रतिशत एप्रूव करवाना सुनिश्चित करे।

नेशन बिल्डर्स अकादमी परिणाम घोषित

आस्था राव बनी टॉपर, आस्तिक,आस्था, आरुषि को स्वर्ण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। मोक्षायतन इंटरनेशनल योगाश्रम द्वारा यहां बेरी बाग में संचालित योग आधारित इंग्लिश मीडियम स्कूल नेशन बिल्डर्स एकेडमी के वार्षिक परीक्षा परिणामों में आस्तिक, आस्था और आरुषि ने सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्गों में अव्वल स्थान पाकर स्वर्ण पदकों पर कब्जा जमा लिया जबकि जूनियर ग्रुप की आस्था राव ने पूरी एकेडमी की टॉपर होने का गौरव पा लिया। विस्तृत परिणामों में कक्षा नर्सरी से आठवीं तक क्रमशः साबरी, योगेंद्र, आस्तिक राव, खुशी, आस्था राव, आयुष, देव उपाध्याय, श्रेया, आरुषि, विशु शर्मा और प्रिंसी ने प्रथम स्थान पाकर स्वर्ण, परी, खुशी, युवराज सिंह, राशि, आरव उपाध्याय, मयंक, पीहू, अर्णव, संजू, प्रतीक सोनकर और अवि को अपनी-अपनी कक्षा में रजत व अनिरुद्ध, पीहू कुमारी, मिष्टी, कृष्णा, दिव्यांश, कविता, प्रगति, दिव्या, कावेरी और वीर धीमान को कांस्य पदक प्रदान किए गए। इसके साथ ही छियत्तर बच्चों ने कला, नृत्य, योग, अभिनय, विज्ञान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाणपत्र पुरस्कार दिए गए। सहारनपुर के महापौर डॉ अजय कुमार सिंह और योग गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण को अकादमी के बच्चों के उत्साह और सरलता ने ऐसा सहज बना दिया कि वह बच्चों में ऐसे घुल मिल गए कि उन्होंने उनके साथ अपने अनुभव खुलकर बांटे और महापौर अजय सिंह ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी समझदारी इस बात में नहीं है कि स्कूलों में मन माफिक सुविधाओं और आराम की तलाश करें बल्कि इसमें है कि हम यह समझने की कोशिश करें कि गुरु और माता-पिता हमसे क्या चाहते हैं क्योंकि उनकी सख्ती में भी हित छिपा होता है। उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं की विद्यार्थी जीवन में की गई मेहनत जीवन भर का आराम है लेकिन मेरा अनुभव है कि भविष्य में आराम पाने की लालसा से मेहनत ना करें बल्कि मेहनत और चरित्र ही वह कुंजी है जिससे हम खुद को और देश को मजबूत बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार संस्कार, शिक्षा के अभाव का ही नतीजा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी द्वारा भ्रष्टाचार पर अंकुश का आधार उन्हें बचपन से मिली संस्कार शिक्षा को बताया। महापौर ने नेशन बिल्डर्स अकादमी के बच्चों के सौभाग्य को सराहा। जिन्हें यहां बालपन से ही आधुनिक पढ़ाई के साथ गुरुदेव स्वामी भारत भूषण का सान्निध्य और योग व संस्कार की शिक्षा मिल रही है। पद्मश्री स्वामी भारत भूषण, महापौर डॉ अजय सिंह और प्राचार्या इष्ट शर्मा ने संयुक्त रूप से पदक वितरण से पहले मां सरस्वती के सम्मुख दीप जलाकर परिणाम उत्सव का शुभारंभ किया। अतिथियों अभिभावकों और अध्यापकों ने सभी टॉपर्स पर पुष्प वर्षा करके आशीर्वाद दिया।

रिया त्यागी ने बैंक पीओ और क्लर्क परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर किया देवबंद का नाम रोशन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
देवबंद । सहारनपुर, आईबीपीएस प्रोबेशनरी ऑफिसर और क्लर्क के घोषित हुए परिणाम में देवबंद के सुल्तानपुर गाँव निवासी रिया त्यागी पुत्री कुलदीप त्यागी ने प्रोबेशनरी ऑफिसर और क्लर्क दोनों परीक्षाओं में शानदार सफलता प्राप्त कर अपने गाँव और देवबंद नगर का नाम रोशन किया है। बता दे कि बीते दिन आईबीपीएस प्रोबेशनरी ऑफिसर और क्लर्क के परिणाम घोषित हुए है। जिसमें देवबंद के सुल्तानपुर गाँव की निवासी रिया त्यागी ने दोनों परीक्षाओं में शानदार सफलता प्राप्त की है। रिया त्यागी की इस सफलता पर जहां उनके परिजन प्रसन्न है वही गांव के लोगों द्वारा भी उन्हें बधाइयां दी जा रही है। गांव के लोगो का कहना है कि गांव की बेटी की इस सफलता पर हम सभी को गर्व है। रिया त्यागी की इस सफलता पर देवबंद नगर व गांव सुल्तानपुर में सभी लोगो में जबरदस्त खुशी व्याप्त है।

संदिग्ध परिस्थितियों में छप्परनुमा कमरे में लगी आग

कमरे में रखा घरेलू सामान जलकर हुआ राख, कमरे के समीप बंधी दो भैंसें भी झुलसी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
देवबंद (सहारनपुर)। हाशिमपुरा गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में छप्परनुमा कमरे में आग लग गई। जिससे कमरे में रखा घरेलू सामान जलकर राख हो गया। इतना ही नहीं कमरे के समीप बंधी दो भैंसें भी झुलस गई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका। जानकारी के अनुसार हाशिमपुरा निवासी इस्लाम कोल्हू पर मजदूरी करता है। गत रात कोल्हू से घर लौटने के बाद इस्लाम अपने कमरे में जाकर सो गया। उसके घर में ही एक छप्परनुमा कमरा बना रखा था। जिसमें घर का कुछ सामान भी रखा हुआ था। रात में किसी समय छप्परनुमा कमरे में आग लग गई। लपटें उठी देख परिजनों ने शोर मचा दिया। जिससे आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। लोगों ने पानी व रेत आदि डालकर किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन इस दौरान कमरे में रखा सामान जलकर राख हो गया। साथ ही वहां बंधी दो भैंसे भी आग की चपेट में आकर झुलस गई। गनीमत रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। ग्राम प्रधान अब्दुल सत्तार ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता मुहैया करवाने की मांग की है।

सेक्टर 1 पीथमपुर पुलिस को मिली बडी सफलता

मोटर सायकल चोरी करने वाले दो आरोपियों से 15 मोटरसाइकिल जप्त

पीथमपुर फरियादी अफजल पिता नाशीर शाह फकीर मोहल्ला पीथमपुर जिला धार द्वारा थाना सेक्टर । पीथमपुर में अपनी मोटर सायकल होंडा शाईन चोरी होने की रिपोर्ट थाना सेक्टर 1 पीथमपुर में कराई थी। अपराध क्र. 23/2025 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया था। आये दिन मोटर सायकल चोरी होने की सुचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक धार मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन मे तथा नगर पुलिस अधीक्षक पीथमपुर विवेक गुप्ता के द्वारा थाना प्रभारी सेक्टर । पीथमपुर को मोटर सायकल चोरीयो पर रोकथाम हेतु निर्देश दिये गये थे। थाना प्रभारी ओ. पी. अहिर द्वारा मोटर सायकल चोरी की रोकथाम हेतु एक टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा थाना क्षेत्र के मुखबीरो को सक्रीय कर क्षेत्र के लगभग 50 सीसीटीवी फुटेज देखे गये।

मुखबीर से सुचना मिली कि दो अज्ञात लोगो के द्वारा चोरी के वाहन के बेचने की नियत से महिन्द्रा ब्रिज के पास मोटर सायकल लेकर खडे है। महिन्द्रा ब्रीज पर पहुंचकर उक्त दोनो अज्ञात बदमाशो को

घेराबंदी कर पकडा। आरोपीयों के पास खडी मोटर सायकल होंडा शाईन क्रमांक के संबंध मे पुछताछ करने पर उक्त मोटर सायकल पीथमपुर से ही चोरी करना बताया। अन्य वाहन भी चोरी करना कबुला। दोनो से अपना अपना नाम पता सुरेश पिता रामा उर्फ रामलाल पाण्डर भील उम्र 30 साल निवासी ग्राम पचलाना थाना तिरला जिला धार। दूसरा आरोपी सावन पिता मुकेश राठौर उम्र 20 साल निवासी ग्राम मिर्जापुर थाना सादलपुर जिला धार का होना बताया। दोनो बदमाशो ने इन्दौर शहर व ग्रामीण से अलग अलग थाना क्षेत्रो से कुल 14 मोटर सायकल चोरी करना कबुला एवं चोरी की गयी मोटर सायकल बेचने हेतु बन्द कंपनी फ्लेक्सीटफ के पीछे खाली पडी जमीन मे झाडियों के पीछे छुपाना बताया गया।

कई थानो से फरार लुट एवं चौरी के कुख्यात आरोपी को राणापुर पुलिस ने धरदबोचा

रानापुर- घटना दिनाकं 16.02.2025 के 16.15 बजे तीन अज्ञात बदमाश के द्वारा फरियादी फरियादी पीयुष पिता मांगीलाल जैन 42 साल निवासी सरदार मार्ग वार्ड क्र. 9 राणापुर के द्वारा मार्केटिंग के लगभग 27-28 हजार रु.कलेक्शन कर वापस घर आ रहा था की ग्राम परतली के पास पिछे से मोटर साईकिल से 03 बदमाश आये और फरियादी की ईको गाडी को रुकवाकर गले पर चाकु रख कर व एक आरोपी ने ड्रायवर को कट्टा अडाकर फरियादी की शर्ट व पेन्ट से पैसे छिनकर भाग गये। फरियादी की सुचना पर थाना राणापुर पर अपराध क्रमांक 49/2025 धारा 309(4) ब्रहस का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया । प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ पद्म विलोचन शुक्ल द्वारा तत्काल प्रकरण के आरोपीयो को गिरफ्तार किये जाने हेतु सख्त निर्देश दिये इसी तारतम्य मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुर्वे, एवं एसडीओपी झाबुआ श्रीमति रुपरेखा यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राणापुर दिनेश रावत द्वारा अलग अलग टीम बना कर सतत् भ्रमण किया एवं थाना क्षैत्र में मुखबीर तंत्र को मजबुत किया, आरोपीयो की पहचान हेतु थाना बोरी , थाना उदयगढ के कैमरे खंगाले एवं घटना समय अंतराल से आरोपीयो की पहचान की गई । आरोपीयो की गिरफ्तार हेतु काफी भरसक प्रयास से मुखबीर की सुचना पर आरोपी करण पिता रायचंद बिलवाल उम्र 22 साल निवासी बडी उत्ती थाना उदयगढ जिला अलिराजपुर को एक अवैध देशी 12 बोर कट्टे के साथ गिरफ्तार किया गया , आरोपी करण से सख्ति से पुछताछ करने पर थाना बोरी क्षैत्र में लुट, थाना उदयगढ क्षैत्र में चौरी व थाना बडवानी क्षैत्र में नकबजनी व वाहन चौरी, जिला अलिराजपुर व गुजरात राज्य के दाहोद से कई चौरीयों का खुलासा हुआ है । जप्त मश्रुका:- एक अवैध देशी 12 बोर कट्टा, एक यामाहा कम्पनी की क्र15 मोटरसाईकिल बिना नम्बर की किमती 2,50,000 रुपये एवं नगदी 8000 रुपये । सराहनीय कार्य:- उक्त सराहनीय कार्यवाही मे थाना राणापुर प्रभारी निरीक्षक दिनेश रावत, उपनिरीक्षक जगदिश पटेल, प्रधान आरक्षक 62 रतनसिहं , आरक्षक 607 दिनेश , आरक्षक 421 गरासिहं , आरक्षक 671 शिवा , आरक्षक 593 पानसिहं , आरक्षक 615 ऐलामसिहं ,

आरक्षक 175 कनसिहं एवं आरक्षक 122 नुरसिहं का महत्वपुर्ण योगदान रहा ।

अवैध खनिज परिवहन, उत्खनन व भंडारण पर प्रशासन की कार्रवाई, 7 वाहन जब्त

धार
कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशानुसार शुक्रवार को प्रशासन ने अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। इस दौरान ग्राम सागोर, संजय जलाशय (पीथमपुर) और मनावर क्षेत्र में छापेमारी कर 7 वाहनों को जब्त किया गया। खनिज अधिकारी आरके कनेरिया ने बताया कि खनि निरीक्षक संदेश पिपलोदिया और रमेश सोलंकी के नेतृत्व में खनिज विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की। इस दौरान 4 डंपर गिट्टी, 2 डंपर रेत और 1 डंपर कोयला जब्त किया गया। वाहनों को थानों में खड़ा किया गया इनमें पुलिस थाना सागोर 2 डंपर,पुलिस थाना मनावर 3 डंपर,पुलिस चौकी संजय जलाशय 2 डंपर शामिल हैं। प्रशासन ने वाहन मालिकों और चालकों के खिलाफ म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) नियम 2022 के तहत आर्थिक दंड की कार्रवाई शुरू कर दी है।प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नवरात्रि पर्व के चलते डाइट शाजापुर में माँ सरस्वती की प्रतिमा स्थापित

शाजापुर

शाजापुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट शाजापुर मे सरस्वती माता की मूर्ति का स्थापना कार्यक्रम नवरात्रि पर्व में शुक्रवार को विधिवत सम्पन्न हुआ कार्यक्रम मे सुबह 8बजे मूर्ति का अभिषेक कार्यक्रम जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य डा बालेन्द्र श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती अनीता श्रीवास्तव द्वारा किया गया कार्यक्रम के डाइट परिवार के सदस्यों के द्वारा हवन पूजन किया गया कार्यक्रम मे मुख्य रूप से अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी डॉ विवेक दुबे उपस्थित रहे, डाइट से व्याख्याता श्री अशोक कारपेंटर, श्री महेश भेसानिया, श्री बी एल बैरागी, श्री दीपक शर्मा, श्री महेंद्र सिंह गोयल, श्री गौरव भुवंता, श्री लईक खान, अंशु नागर, लीला बाई, शारदा बाई, मुकेश शर्मा, रमेश माली, किशोर मालवीय, इन्द्र कुमार व्यास सहित समस्त डाइट परिवार उपस्थित रहा। उक्त जानकारी बीएसी प्रमोद गुप्ता ने दी।

कलेक्टर ने की महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा

सभी पात्र हितग्राहियों को दिलाएं योजनाओं का लाभ - कलेक्टर 08 अप्रैल से 22 अप्रैल तक चलाया जाएगा पोषण पखवाड़ा

सीहोर कलेक्टर श्री बालागुरू के ने बैठक आयोजित महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों को विभाग की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए, कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने पीएम मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, पोषण योजना, पीएम केयर फार चिल्ड्रन योजना, बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री बाला आर्शीवाद योजना, स्पॉनसरशिप एवं फास्टर केयर, मिशन वात्सल्य, मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम सहित सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की।

08 अप्रैल से 22 अप्रैल तक चलाया जाएगा पोषण पखवाड़ा बैठक में जानकारी दी गई कि 08 अप्रैल से 22 अप्रैल तक जिले में पोषण पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। इस पखवाड़े के तहत जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन के माध्यम से कुपोषण का प्रबंधन किय जाएगा। बच्चों में मोटापा कम करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली अपनाने एवं योग गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाएगा। बच्चों, किशोरियों एवं महिलाओं में एनीमिया की रोकथाम के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जांएगी। इसके साथ ही डायरिया प्रबंधन एवं वॉश व्यवहार संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसी प्रकार कार्यशालाएं आयोजित कर मोटे अनाज के उपयोग के लिए आमजन को प्रेरित किया जाएगा। कलेक्टर श्री बालागुरू के ने मैदानी अमले को निर्देश दिए कि इस पखवाड़ें के तहत सभी गतिविधियां शासन के निर्देशानुसार संचालित करना सुनिश्चित करें। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रफुल्ल खत्री सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

साढ़े तेरह सौ करोड़ रुपये में बना बदनावर-उज्जैन फोरलेन, 100 किमी की रफ्तार से दौड़ सकेंगे वाहन

बदनावर भारत माला प्रोजेक्ट के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने बदनावर से उज्जैन तक फोरलेन का निर्माण किया है। इस मार्ग पर हलके वाहन 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेंगे, जबकि भारी वाहनों की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। इस फोरलेन को जनता को लोकार्पित करने के लिए केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री मोहन यादव 7 अप्रैल को बदनावर आएंगे। आयोजन की तैयारियों को जायजा लेने कलेक्टर प्रियंक मिश्र भी बदनावर पहुंचे। गांव के एक खेत में मंत्री के हेलीकाप्टर को उतारने के लिए एक हेलीपेड भी बनाया जाएगा। गडकरी करीब एक घंटा इस मार्ग पर रुकेंगे और वाहन में सवार होकर सड़क का अवलोकन भी करेंगे।

69 किलोमीटर है लंबाई
बदनावर से उज्जैन तक इस मार्ग की लंबाई 69 किलोमीटर है। सिंहस्थ के समय राजस्थान और गुजरात की तरफ से आने वाले यात्रियों के लिए यह मार्ग काफी सुविधाजनक होगा। दिल्ली–मुबंई कॉरिडोर से भी यह मार्ग जुड़ा हुआ है। इस मार्ग पर काफी कम कर्व दिए गए है। लोकल ट्रैफिक और पशुओं की आवाजाही रोकने के लिए मार्ग पर 100 से ज्यादा बाक्स कल्वर्ट बनाए गए है। इसके अलावा 30 अंडरपास भी बने है। गंभीर, चंबल, चामला नदी पर बड़े ब्रिज भी बनाए गए है, ताकि बारिश में बाढ़ आने पर मार्ग का यातायात प्रभावित न हो। तीन गांवों के समीप बाइपास भी बनाए गए है।

भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होगा फुटतालाब का श्रीहनुमान जयंती महोत्सव....प्रतिदिन श्रीमद भागवत कथा के साथ होंगे राष्ट्रीय स्तर के धार्मिक कार्यक्रम....

मेघनगर । प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री वनेश्वर मारुति नंदन हनुमान मंदिर फुटतालाब पर श्रीगणेश महालक्ष्मी महासरस्वती एवँ माँ अंबे जी की प्रतिष्ठा की वर्षगाँठ एवँ श्रीहनुमान जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी भव्य धार्मिक उत्सव का आयोजन होने जा रहा हैँ....जानकारी देते हुए श्रीहनुमान जयंती महोत्सव समिति के सदस्य और प्रदेश के यशस्वी समाजसेवी श्रीसुरेश चंद्र पूरणमल जैन राजेश रिंकू जैन जैकी जैन और मंदिर के महंत दिलीपदास जी महाराज ने बताया कि 6 अप्रैल से भव्य कलश यात्रा के साथ यह महोत्सव प्रारंभ होगा । कलश यात्रा टाटा सर्विस सेंटर से फुटतालाब हनुमान मंदिर तक जाएँगी वही पर श्रीमद भागवत कथा की स्थापना और प्रारंभ होगा । श्रीमद भागवत कथा प्रख्यात विदुषी देवी चित्रलेखा जी द्वारा की जाएगी । आयोजन 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक चलेगा द्य 7 अप्रैल को शाम वृंदांवन के कलाकारों द्वारा रासलीला की प्रस्तुतियां 8 अप्रैल मंगलवार को भजन सँध्या पूनम दीदी वृंदावन द्वारा की जाएगी । 9 अप्रैल को बुधवार महावीर जयंती को वैभव वाघमारे जैन भजनों की प्रस्तुतियाँ देगे 10 अप्रैल को अनुष्का अधिष्ठा देवी द्वारा श्रीखाटू श्याम जी की भजन संध्या 11 अप्रैल कवि सम्मेलन आयोजित होगा जिसमे अंतरराष्टीय कवि तेजनारायण बैचेन हास्य कवि नई दिल्ली पँ महेंद्र मधुर गीतकार सुश्री प्रीति पाण्डे श्रृंगार रस राजस्थान मुकेश मासूम हास्य गीतकार मुम्बई निसार पठान भाग लेगे । श्रीहनुमान जयंती पर 12 अप्रैल शनिवार को भारत के बडे लोकप्रिय गायक हँसराज रघुवंशी भगवान भोलेनाथ और श्रीराम भक्त हनुमान जी के भजनों की प्रस्तुति देगे । प्रतिदिन देवी चित्रलेखा जी द्वारा श्रीमद भागवत कथा प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक की जाएगी द्य प्रतिदिन भंडारा दोपहर 3 से 6 बजे तक रहेगा । भव्य मेला प्रतिदिन रहेगा वही श्रीराम भक्त हनुमान जी की महाआरती सुबह और शाम होगी ।

जल गंगा संवर्धन अभियान का जिले में हो रहा है प्रभावी क्रियान्वयन

सीहोर राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले मे 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अन्तर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ ही जल स्त्रोत में प्रदूषण कम करना, साफ सफाई करना, पौधरोपण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का क्रियान्वयन विभिन्न विभाग मिलकर कर रहे हैं।

श्रद्धांजलि योजना से दो और परिवार हुए लाभान्वित

कलेक्टर संदीप जी.आर. ने निश्चय आदर्श, मानवेंद्र चौधरी को सौंपे अनुकंपा नियुक्ति पत्र

रुद्रांश दर्पण सागर श्रद्धांजलि योजना के तहत दिवंगत परिवारों को आर्थिक और सामाजिक संबल प्रदान करने के उदेश्य से आज कलेक्टर श्री संदीप जी आर के द्वारा दो परिवारों को और अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्रदान किये। दमोह जिले के जबलपुर नाका, शक्ति नगर निवासी श्री निश्चय आदर्श एवं नरयवली निवासी श्री मानवेंद्र चौधरी को कलेक्टर श्री संदीप जी.आर. के द्वारा श्रद्धांजलि योजना के अंतर्गत अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। यह नियुक्ति से निश्चय आदर्श एवं मानवेंद्र चौधरी के परिवार को राहत देने का कार्य करेंगी। जिन्होंने अपने परिवार के सदस्य को शासकीय सेवा काल के दौरान खोया है। श्री निश्चय आदर्श एवं मानवेंद्र चौधरी को जेल पहरी के पद पर यह नियुक्ति उनके दिवंगत परिजन की सच्ची श्रृध्दाजंलि देने के रूप में दी गई है। नियुक्ति पत्र प्राप्त कर श्री निश्चय आदर्श एवं मानवेंद्र चौधरी और उनके परिवार ने प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि इस से नियुक्ति से परिवार को राहत मिलगी। इस अवसर पर जिला पंचायत सीइओ श्री विवेक केवी, अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय. जिला अधीक्षक श्रीमानेंद्र सिंह परिहार सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

अचानक दिल की धड़कन तेज होना: कारण, लक्षण, और इस स्थिति में क्या करें ताकि आप स्वस्थ रहें

नेशनल डेस्क. कभी-कभी हम बैठे-बैठे या आराम करते हुए अचानक महसूस करते हैं कि दिल बहुत तेज धड़क रहा है। ऐसा लगता है जैसे दिल सीने से बाहर आने वाला हो या बहुत तेज़ी से धक-धक कर रहा हो। यह स्थिति अक्सर डर पैदा करती है, लेकिन यह हमेशा किसी बड़ी बीमारी का संकेत नहीं होती। चलिए, समझते हैं कि ऐसा क्यों होता है और इस स्थिति में हमें क्या करना चाहिए। अचानक दिल की धड़कन तेज होना आमतौर पर चिंता का कारण नहीं होता, लेकिन यदि यह बार-बार होता है और साथ में अन्य लक्षण जैसे सांस फूलना, सीने में दर्द या चक्कर आना होते हैं, तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इस स्थिति में सही इलाज और डॉक्टर की सलाह लेने से इस समस्या का समाधान संभव है। शरीर की सुनें और समय रहते आवश्यक कदम उठाएं, ताकि आप स्वस्थ रहें।

दिल की धड़कन तेज होने के कारण

तनाव और चिंता

जब हम तनाव में होते हैं या चिंता करते हैं, तो शरीर में एक हार्मोन रिलीज़ होता है, जो दिल की धड़कन को तेज कर सकता है। यह स्थिति आमतौर पर समय-समय पर होती है, जैसे किसी महत्वपूर्ण कार्य या परीक्षा से पहले। शरीर में एड्रेनालिन जैसे हार्मोन का स्तर बढ़ने से दिल की धड़कन तेज हो जाती है। यह एक सामान्य शारीरिक प्रतिक्रिया है।

चाय, कॉफी और एनर्जी ड्रिंक्स

अगर आप अधिक चाय, कॉफी या एनर्जी ड्रिंक्स का सेवन करते हैं, तो कैफीन के प्रभाव से भी दिल की धड़कन तेज हो सकती है। यह दवाओं के सेवन से भी हो सकता है, क्योंकि कुछ दवाइयों में ऐसे तत्व होते हैं जो दिल की धड़कन को बढ़ा सकते हैं।

थकावट और कमजोरी

जब शरीर थका हुआ होता है, या अधिक शारीरिक गतिविधि के बाद थकावट महसूस होती है, तो भी दिल की धड़कन तेज हो सकती है। यह एक सामान्य शारीरिक प्रतिक्रिया है जो शरीर को अधिक ऊर्जा प्रदान करने के लिए होती है।

थायरॉइड की समस्या

कुछ लोगों को थायरॉइड की समस्या होती है, जिसमें हार्मोनल असंतुलन के कारण दिल की धड़कन तेज हो सकती है। यदि आपके थायरॉइड का काम सही नहीं हो रहा है, तो यह दिल की रफ्तार को प्रभावित कर सकता है।

एनीमिया (खून की कमी)

एनीमिया की समस्या में शरीर में खून की कमी होती है, जिससे दिल को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषण नहीं मिल पाता। इसके परिणामस्वरूप दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे उसकी धड़कन तेज हो सकती है।

दिल से जुड़ी बीमारियों का संकेत

अगर यह स्थिति कभी-कभी होती है और थोड़ी देर में ठीक हो जाती है, तो यह चिंता का कारण नहीं है। लेकिन अगर यह बार-बार हो रही है और लंबे समय तक बनी रहती है, साथ में चक्कर आ रहे हैं, सांस फूल रही है या सीने में दर्द भी महसूस हो रहा है, तो यह दिल से जुड़ी किसी गड़बड़ी का संकेत हो सकता है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

अचानक दिल की धड़कन तेज होने पर क्या करें?

अगर अचानक दिल की धड़कन तेज हो जाए तो सबसे पहले शांत बैठ जाएं और गहरी सांस लें। यह तरीका आपको राहत देने में मदद कर सकता है।

ठंडा पानी पीएं

ठंडा पानी पीने से शरीर को ठंडक मिलती है, जिससे दिल की धड़कन धीमी हो सकती है। आप मुंह पर ठंडा पानी भी डाल सकते हैं, जिससे ताजगी महसूस होती है और दिल की धड़कन में भी कमी आ सकती है।

काफी समय तक न घबराएं

इस स्थिति में मोबाइल या किसी काम को कुछ देर के लिए छोड़ दें और खुद को शांत करने का प्रयास करें। ध्यान और योग का अभ्यास इस प्रकार की स्थिति को बेहतर करने में मदद कर सकता है।

कैफीन का सेवन कम करें

अगर यह समस्या बार-बार हो रही है तो आपको कैफीन का सेवन कम कर देना चाहिए। इसके अलावा, नींद पूरी लेना और सही खानपान की आदतें अपनाना भी इस समस्या से बचने के उपाय हो सकते हैं।

परेशानी होने पर डॉक्टर से संपर्क करें

यदि यह समस्या लगातार बनी रहती है, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर इस समस्या की जांच के लिए कुछ टेस्ट करवा सकते हैं, जैसे कि श्वष्टत्र (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम) और ब्लड टेस्ट। इन टेस्टों के माध्यम से यह पता लगाया जा सकता है कि दिल या थायरॉइड में कोई गड़बड़ी तो नहीं है। यदि कोई समस्या पाई जाती है तो डॉक्टर उचित दवाएं लिख सकते हैं। कुछ मामलों में, दवाओं के साथ-साथ लाइफस्टाइल में सुधार की आवश्यकता भी होती है। सही खानपान, नियमित व्यायाम और तनाव को नियंत्रित करने के उपाय इस स्थिति में सहायक हो सकते हैं।

बच्चों और व्यस्कों के यौन शोषण के दोषी पूर्व वरिष्ठ पादरी थियोडोर मैकैरिक की मौत

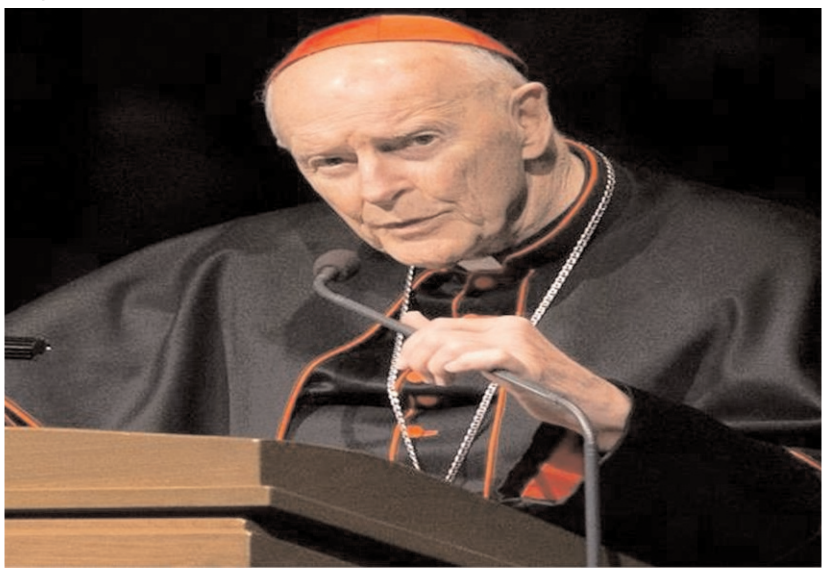

इंटरनेशनल डेस्क. बचों और व्यस्कों का यौन शोषण करने के दोषी वाशिंगटन के पूर्व आर्चबिशप (वरिष्ठ पादरी) थियोडोर मैकैरिक की 94 वर्ष की आयु में मौत हो गई।

वैटिकन के पूर्व पादरी पोप जॉन पाल द्वितीय द्वारा नियुक्त पूर्व कार्डिनल मैकैरिक उस वक्त चर्चा में आया जब वैटिकन की जांच में पाया गया कि उसने गिरजाघरों में शीर्ष एवं प्रभावशाली पदों पर रहते हुए बचों और व्यस्कों का यौन शोषण किया था। मैकैरिक 2000 से 2006 तक वाशिंगटन का आर्चबिशप था। वाशिंगटन के आर्चबिशप रॉबर्ट मैकलेरॉय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर मैकैरिक की मौत की पुष्टि की लेकिन इस संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

उनका बयान उन लोगों पर केंद्रित था जिनका मैकैरिक ने शोषण किया था। मैकलेरॉय ने कहा, ''इस समय मेरा ध्यान विशेष रूप से उन लोगों पर है जिन्हें मैकैरिक ने नुकसान पहुंचाया था। हम सभी उन लोगों के तथा यौन शोषण के शिकार सभी लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं।

हाल में अदालती कार्यवाही में यह बताया गया था कि मैकैरिक को 'डिमेंशिया है। वह मिसौरी में रह रहा था।' वैटिकन न्यूज ने बताया कि उसकी मौत वहीं हुई।' डिमेंशिया ऐसी दिमागी समस्या है जिसके कारण चीजों को याद रखने, सोचने और सीखने की क्षमता क्षीण हो जाती है। मैकैरिक द्वारा यौन उत्पीड़न किए जाने की खबर सामने आने के बाद गिरजाघरों की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे थे क्योंकि ऐसे साक्ष्य थे कि वैटिकन और अमेरिकी गिरजाघरों के शीर्ष पादरियों को मैकैरिक के आचरण के बारे में पता था लेकिन मैकैरिक के प्रभाव को देखते हुए कभी किसी ने उनके खिलाफ मुंह नहीं खोला।

जांच में यह बात भी सामने आई थी कि कई बिशप, कार्डिनल और पोप मैकैरिक के युवा पुरुषों के साथ दुर्व्यवहार की रिपोर्ट को कई दशकों तक खारिज करते रहे और उन्होंने इन्हें कोई महत्व नहीं दिया। जांचकर्ताओं ने जांच के दौरान पीड़ितों, पादरियों और अमेरिकी कैथोलिक बिशप के अधिकारियों समेत 90 लोगों से पूछताछ की थी। पीड़ितों की एक संस्था 'द सर्वाइवर्स नेटवर्क ऑफ दोज एब्यूड बाय प्रीस्ट्स के संस्थापक सदस्य पीटर इसली ने कहा, ''मैकैरिक की भले ही मौत हो गई हो लेकिन उसके पीड़ित उसके दिए गए घावों के साथ अभी जिंदा है।

छूना मत, मैं किसी और की अमानत हूं, सुहागरात पर दुल्हन की बात सुन दूल्हे के उड़े होश

बोलीं- अगर पास आए तो...

नेशनल डेस्क. उत्तर प्रदेश के बरेली जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक नवविवाहित युवक को अपनी शादी की पहली रात ही ऐसी सचाई का सामना करना पड़ा, जिसे सुनकर उसके होश उड़ गए।

जानें क्या है पूरा मामला?

मामला जिले के बारादरी थाना क्षेत्र का है। यहां के निवासी पीड़ित युवक ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी जनवरी 2025 में हुई थी। शादी के बाद जब वह पहली बार अपनी पत्नी के पास गया, तो पत्नी ने उसे खुद से दूर रहने को कहा। यही नहीं, पत्नी ने धमकी दी कि अगर उसने हाथ लगाया, तो वह जहर खा लेगी।

मैं किसी और की अमानत हूं

जब पति ने इसकी वजह पूछी, तो पत्नी ने बताया कि वह पहले से किसी और से प्यार करती है और उसने यह शादी सिर्फ परिवार के दबाव में की है। वह किसी और की अमानत है और पति को छूने का हक नहीं है।

ससुराल वालों ने भी दी धमकियां

जब युवक ने यह बात पत्नी के परिवार को बताई, तो उन्होंने उल्टा उसे ही धमकाना शुरू कर दिया। युवक का कहना है कि पत्नी और उसके परिजन उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित

कर रहे हैं। कभी पत्नी आत्महत्या की धमकी देती है, तो कभी उसके खिलाफ झूठे आरोप लगाने की बात कहती है।

घर का माहौल हुआ तनावपूर्ण

युवक ने बताया कि इस तनाव का असर उसकी मां की तबीयत पर भी पड़ा है, जो दिल की मरीज हैं। कई बार समझाने की कोशिश करने के बावजूद पत्नी और उसके परिवार की ओर से कोई सहयोग नहीं मिला।

पुलिस ने दर्ज किया केस

आखिरकार युवक ने थाना बारादरी में जाकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पत्नी समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। सभी पक्षों के बयान लिए जा रहे हैं और जो साक्ष्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

9 लाख रुपए में नाक की सर्जरी करवाकर खूबसूरत बनीं पत्नी

फिर पति को दिया तलाक

इंटरनेशनल डेस्क. फिलाडेल्फिया की 30 साल की डेविन ऐकेन ने नवंबर 2024 में 11,000 डॉलर (करीब 9 लाख रुपये) की राइनोप्लास्टी (नाक की सर्जरी) करवाई। इस सर्जरी ने न सिर्फ उनकी नाक का आकार बदला, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ाया। डेविन ने अपनी सबसे बड़ी असुरक्षा को अलविदा कहने और सात साल पुरानी दुखी शादी को खत्म करने का फैसला किया।

डेविन के लिए यह सर्जरी एक नया मोड़ लेकर आई। उन्होंने बताया, अब मैं खुद को खूबसूरत महसूस करती हूं और इसने मुझे अपनी शादी खत्म करने का साहस भी दिया। उनका कहना था कि सर्जरी के बाद उनकी जिंदगी में बहुत बदलाव आया है और अब वह एक नई शुरुआत की ओर बढ़ रही हैं।

सर्जरी के बाद बदलाव की शुरुआत

डेविन की कहानी सोशल मीडिया पर बहुत सुर्खियां बटोर रही है। उनकी सर्जरी के बाद के बदलाव और तलाक के बाद मिली खुशी ने उन्हें एक नया दृष्टिकोण दिया है। उनका एक वीडियो टिकटॉक पर 4.5 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया। डेविन ने कहा, मैं अब सुबह उठते ही खुश महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि अब मैं अपनी ज़िंदगी को सही तरीके से जी सकती हूं।

डेविन की ज़िंदगी हमेशा आसान नहीं रही। मिडिल स्कूल में उनकी उभरी हुई नाक को लेकर उन्हें ताने सुनने पड़ते थे। सहपाठी उन्हें चुड़ैल, टूकेन और पिनोच्चियो जैसे नामों से पुकारते थे, जिससे उनका आत्मसम्मान काफी प्रभावित हुआ और वे अवसाद का शिकार हो गईं। उन्होंने बताया कि उनका परिवार भी उनके जैसी नाक वाला नहीं था, जिससे वे और भी अलग महसूस करती थीं। कम आत्मविश्वास के कारण डेविन ने 23 साल की उम्र में एक रिश्ते में कदम रखा, जो बाद में उनके लिए मुश्किल साबित हुआ। हमें जल्दबाजी में शादी करने का एहसास हुआ और हमें एक-दूसरे को ठीक से जानने का वक्त नहीं मिला। हालांकि उनके पति को उनकी नाक पसंद थी, लेकिन बार-बार के झगड़े और मतभेदों के कारण उनका रिश्ता टूट गया।

राइनोप्लास्टी के बाद जिंदगी का बदलाव

पिछले साल डेविन ने फिलाडेल्फिया के प्रसिद्ध प्लास्टिक सर्जन डॉ. मार्क गिंसबर्ग से राइनोप्लास्टी करवाने का निर्णय लिया। यह सर्जरी लगभग छह घंटे चली और इसके लिए उन्होंने खुद खर्च उठाया। डेविन ने बताया, इस सर्जरी ने मेरी ज़िंदगी को पूरी तरह से बदल दिया। ठीक होने के दौरान मैंने अपनी शादी और जिंदगी के बारे में गहरे से सोचा और महसूस किया कि अब मुझे तलाक लेकर अपनी ज़िंदगी में आगे बढ़ना चाहिए।

नई शुरुआत और सोशल मीडिया पर प्यार अब डेविन अपनी नई नाक और आत्मविश्वास के साथ ज़िंदगी को पूरी तरह से जी रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नई पहचान साझा की और उनके फॉलोअर्स ने उनकी तुलना मशहूर हस्तियों जैसे बेला हदीद और सेलीन डायोन से की है। डेविन का मानना है कि उनकी कहानी दूसरों को भी अपनी ज़िंदगी में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करेगी।

तलाक के बाद का आत्मविश्वास

डेविन अकेली नहीं हैं, जो तलाक के बाद खुशी और आत्मविश्वास महसूस कर रही हैं।

हाल ही में एक अध्ययन में यह पाया गया कि 82न्न लोग अपने जीवनसाथी से अलग होने के बाद आत्मविश्वास और आंतरिक शांति का अनुभव करते हैं। डेविन की तरह कई लोग न केवल अपनी भीतर की खुशी को अपनाते हैं, बल्कि अपने बाहरी रूप को भी निखारते हैं।

खुद को चुनने की प्रेरणा

डेविन का संदेश है कि जो करना है करो, क्योंकि यह तुम्हारा जीवन है। हमारे पास जीने के लिए बस एक ही मौका है। अब वह आत्म-प्रेम और ग्लैमर की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं और अपनी खुशी के लिए जो भी करना पड़े करती हैं। उनका यह संदेश उन सभी के लिए है, जो अपनी ज़िंदगी में बदलाव लाना चाहते हैं।

कनाडा में भारतीय नागरिक की चाकू घोंपकर हत्या, संदिग्ध हिरासत में

इंटरनेशनल डेस्क. कनाडा के ओटावा शहर के निकट एक भारतीय नागरिक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी। कनाडा की राजधानी ओटावा में स्थित भारतीय उच्चायोग ने बताया कि यह घटना रॉकलैंड में हुई, हालांकि उसने मारे गए व्यक्ति के

संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। उच्चायोग ने शुक्रवार को 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''ओटावा के निकट रॉकलैंड में चाकू घोंपकर एक भारतीय नागरिक की हत्या किए जाने की घटना से हम बहुत दुखी हैं।

पुलिस ने बताया है कि एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। इसमें कहा गया है, ''हम स्थानीय सामुदायिक संगठन के माध्यम से शोक संतप्त परिजन को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए निकट संपर्क में हैं। सीटीवी न्यूज के अनुसार, ओंटारियो प्रांतीय पुलिस (ओपीपी) ने कहा कि शुक्रवार को दोपहर तीन बजे से ठीक पहले रॉकलैंड में लालोंडे स्ट्रीट के पास गोलीबारी की घटना हुई।

यह स्थल ओटावा शहर से लगभग 40 किलोमीटर पूर्व में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस ने अभी तक यह नहीं बताया है कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति पर क्या आरोप लगाए गए हैं। ओपीपी ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। 'सीटीवी न्यूज% ने ओपीपी के हवाले से कहा, ''चूंकि हम जांच के शुरुआती चरण में हैं, इसलिए कोई और जानकारी नहीं दी जा सकती।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569